दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 3 I अंक: 231 जयपुर, मंगलवार, 30 जुलाई, 2024 I श्रावण, कृष्ण पक्ष-दसमी , विसं 2081 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

प्रदेश में फिर लगेगा बिजली का झटका: घरेलू बिजली उपभोक्ताओं और उद्योगों का बढ़ेगा बिल

फिक्स चार्ज में 20 से 55 रुपए तक बढ़ोतरी, 1 से होगी लागू

■ राजस्थान विद्युत नियामक आयोग ने किया आदेश जारी

बेधड़क | जयपुर

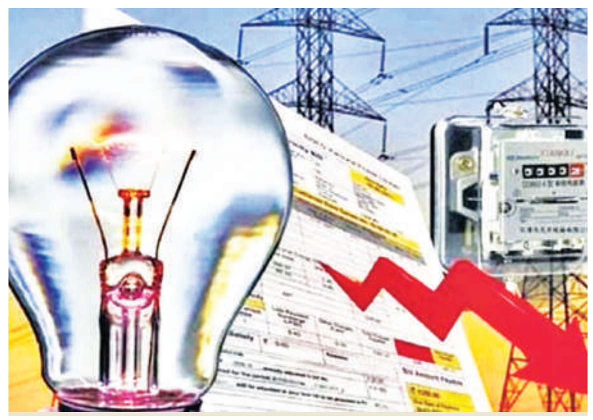

प्रदेश में एक बार फिर उपभोक्ताओं को बिजली के बिल का झटका लगने वाला है। दरअसल, बिजली की दरें बढ़ाई गई है। राजस्थान विद्युत नियामक आयोग ने इसके आदेश जारी कर दिए हैं।

आदेशानुसार बिजली की नई दरें 1 अगस्त से लागू हो जाएंगी। बढ़ी हुई दरों का घरेलू बिजली व उद्योगों के उपभोग पर सीधा असर दिखेगा। हालांकि, प्रदेश में बिजली यूनिट दर नहीं बदली गई है। उपभोक्ताओं को मिलने वाले बिजली के बिल में लिए जाने वाले फिक्स चार्ज में बढ़ोतरी की गई है। फिक्स चार्ज 20 से 55 रुपए तक बढ़ाया गया है।

बढ़ी हुई दरों का सितंबर और अक्टूबर में मिलने वाले बिलों की राशि में असर देखने को मिलेगा। अभी फिक्स चार्ज अभी 100 से 400 रुपए तक लगता है, उसे बढ़ाकर 150 से 450 रुपए करने की तैयारी हो गई है। इससे उपभोक्ताओं का बिजली का बिल बढ़ेगा।

जून 2024 में ही लगा था 54 पैसे प्रति यूनिट फ्यूल सरचार्ज

आयोग ने जून महीने में 54 पैसे प्रति यूनिट फ्यूल सरचार्ज लगाने का आदेश जारी किया था। पिछले पांच साल से हर महीने इसके अतिरिक्त 7 पैसे प्रति यूनिट फ्यूल सरचार्ज लगाया जा रहा था। ऐसे में अब 61 पैसे प्रति यूनिट फ्यूल सरचार्ज लगाकर बिल जारी किए गए थे। बिजली विभाग के जारी आदेश के अनुसार बढ़ा हुआ फ्यूल सरचार्ज 200 यूनिट से अधिक बिजली उपभोग करने वाले यूजर पर लागू हुआ था।

ऐसे समझें फिक्स चार्ज की बढ़ी दरों का गणित

उद्योगों के लिए यह होगा फिक्स चार्ज

- लघु उद्योग में प्रति कनेक्शन 80 रुपए प्रति एचपी था, जिसे 90 रुपए प्रति एचपी किया। (500 यूनिट तक खपत पर)
- लघु उद्योग में प्रति कनेक्शन 110 रु. प्रति एचपी था, जिसे 120 रु. प्रति HP किया। (500 यूनिट से अधिक खपत पर)
- एलटी मध्यम उद्योग में फिक्स चार्ज 115 रुपए प्रति एचपी से बढ़ाकर 130 रुपए प्रति एचपी किया।
- एचटी पर मध्यम उद्योग में फिक्स चार्ज 230 रुपए प्रति केवीए से बढ़ाकर 255 रुपए प्रति केवीए किया।
- एलटी लाइन से मिश्रित भार वाले कनेक्शन पर 105 रुपए प्रति एचपी फिक्स चार्ज से बढ़ाकर 115 रुपए किया।
- एचटी लाइन से मिश्रित भार वाले कनेक्शन पर 215 रुपए प्रति एचपी से बढ़ाकर 240 रुपए किया गया।
- बड़े उद्योगों में 150 एचपी (125 केवीए) से अधिक और 1000 केवीए से अधिक वाले कनेक्शन पर 270 रु. प्रति HP

जरूरी खबर

मीणा उपनेता प्रतिपक्ष एवं रफीक चीफ व्हिप नियुक्त

जयपुर । गंगापुर सिटी से कांग्रेस विधायक रामकेश मीणा को उपनेता प्रतिपक्ष एवं आदर्श नगर से विधायक रफीक खान को चीफ व्हिप नियुक्त किया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उपनेता प्रतिपक्ष के लिए रामकेश मीणा एवं चीफ व्हिप के लिए रफीक खान को नियुक्त करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया।

कनाडा में हादसा तीन भारतीय छात्रों की मौत

नई दिल्ली। कनाडा में एक दर्दनाक सड़क हादसे में पंजाब के तीन छात्रों की मौत हो गई है। इनमें दो सगे भाई-बहन भी शामिल हैं। मृतकों में दो छात्राएं और एक छात्र है। मृतकों की पहचान लुधियाना के मलौद गांव के दो भाई-बहनों 23 वर्षीय हरमन सोमल और 19 वर्षीय नवजोत सोमल के रूप में हुई है। हरमन मॉन्कटन के एक डे-केयर में काम करती थी, जबकि नवजोत सोमल कुछ महीने पहले ही स्टडी वीजा पर कनाडा गया था। एक अन्य मृतक छात्रा की पहचान रसमदीप कौर के रूप में हुई है, जो पंजाब के संगरूर जिले की समाना की रहने वाली थी।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
अख़बार की प्रति प्राप्त करने के लिए
+91 96640 14179
+91 97830 45155
पर सम्पर्क कर अपना पता नोट करवाएं।

विधानसभा में बजट पारित: बजट पर रिप्लाई के साथ मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों-वर्गों को दीं कई सौगातें...

खुशहाली और सर्वजन हिताय वाला बजट: CM

एनएफएसए परिवारों को 450 रु में मिलेगा गैस सिलेंडर

एम्स की तर्ज पर RIMS खोलने की घोषणा

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विधानसभा में सोमवार को बजट पर बहस में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के जवाब के बाद बजट 2024-25 पारित हो गया। इस दौरान सीएम ने कई बड़ी घोषणाएं की। विपक्ष को निशाने पर लेते हुए सीएम ने एक-एक कर बड़ी घोषणाओं का पिटारा खोला।

प्रमुख मुख्य घोषणाओं में बीकानेर और भरतपुर में नगरीय प्राधिकरण बनाने, खाद्य सुरक्षा योजना (KSY) लाभार्थियों को 450 रुपए में गैस सिलेंडर देने के साथ युवाओं के रोजगार के साथ सड़क निर्माण, अक्षय ऊर्जा, पेयजल योजनाएं शामिल हैं। इसके साथ ही सीएम ने एम्स की तर्ज पर राजस्थान में राजस्थान इंस्टीट्यूट मेडिकल साइंस (आरआईएमएस) बनाने, गोशालाओं में 10 फीसदी अनुदान बढ़ाने आदि घोषणाएं भी की।

राजधानी के लिए CM की सौगातें

सीएम ने जयपुर की द्रव्यवती नदी को और विकसित करने पर इसके लिए अगल से योजना बनाने की घोषणा की है। साथ ही उन्होंने प्रदेश में 500 की जगह एक हजार इलेक्ट्रिक बसों का संचालन करने की घोषणा की। संभावना है कि इस घोषणा के तहत जयपुर को 50 से ज्यादा इलेक्ट्रिक बसें मिल सकती हैं। इसके अलावा जयपुर में 7.64 लाख परिवारों को 450 रुपए में सिलेंडर मिलेगा। जयपुर जिले में वर्तमान में 7 लाख 64 हजार 36 परिवार है, जो राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना से जुड़े हैं। इन सभी परिवारों को अब सरकार 450 रुपए में रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाएगी। वर्तमान में राज्य सरकार बीपीएल और उज्जवला कनेक्शनधारियों को ही 450 रुपए में सिलेंडर उपलब्ध करवा रही है।

अन्य बडी घोषणाएं

- कर्मचारियों की वेतन विसंगति दूर करने के लिए बनी समिति की रिपोर्ट की सिफारिशें 1 सितंबर से लागू की जाएंगी।
- युवाओं को उद्योग लगाने की योजना के तहत अब 2 करोड़ तक रियायती दर पर कर्ज दिया जाएगा।
- विधायकों, पूर्व विधायकों के हर साल वेतन-भते, पेंशन अपने आप बढ़ेंगे।
- विधायकों के लिए विस के सामने बने फ्लैट्स पर रूफ टॉप सोलर प्लांट लगेगा।
- 1000 करोड़ की लागत से सड़कें और नवीनकरण होगा।
- 10 हजार गांव में सीमेंट कंक्रीट रोड बनेंगे।

राशन कार्ड वाले भी बनाए सस्ते सिलेंडर के हकदार

राशन का गेहूं पाने वाले परिवारों को भी 450 रुपए में सिलेंडर मिलेगा। विधानसभा में सीएम ने कहा हम 450 रुपए में गैस सिलेंडर पाने वालों का दायरा बढ़ा रहे हैं। पहले उज्वला योजना और बीपीएल परिवारों को ही 450 रुपए में सिलेंडर मिलता था।

राजस्थान विनियोग (संख्या-3) विधेयक, 2024 और राजस्थान वित्त विधेयक, 2024 ध्वनिमत से पारित

राजस्थान विनियोग (संख्या-3) विधेयक- राज्य विधानसभा ने सोमवार को राजस्थान विनियोग (संख्या-3) विधेयक, 2024 और राजस्थान वित्त विधेयक, 2024 को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इससे पहले उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने दोनों विधेयकों को सदन में प्रस्तुत किया। दोनों विधेयकों पर हुई चर्चा तथा इस पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के वक्तव्य के बाद सदन ने दोनों विधेयकों को ध्वनिमत से पारित कर दिया। राजस्थान विनियोग (संख्या-3) विधेयक, 2024 के पारित हो जाने से राज्य सरकार को वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान विभिन्न प्रभारों का चुकारा करने के लिए राज्य की समेकित निधि में से 50,60,91,15,57,000 रुपए की राशि के उपयोग के लिए अधिकृत किया गया।

(संबंधित समाचार पेज 2 पर भी)

कश्मीर के सोपोर में भीषण रहस्यमयी विस्फोट

दो बच्चों समेत चार लोगों की मौत... गहन जांच हुई शुरू

■ प्रथम द्दष्टया घटना में कोई टेरर कनेक्शन नहीं आया सामने

एजेंसी | श्रीनगर

जम्मू कश्मीर के सोपोर में सोमवार दोपहर रहस्यमयी विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई। ये विस्फोट कबाड़ी की दुकान में हुआ। मृतकों में दो बच्चे भी शामिल हैं, जो विस्फोट के समय कबाड़ उतारने में मदद कर रहे थे।

अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट शायर कॉलोनी सोपोर में हुआ, जिसमें चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें बाद में नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने उनमें से तीन को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल एक अन्य व्यक्ति को विशेष उपचार के लिए एसकेआईएमएस सौरा रेफर कर दिया गया, जिसकी अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई।

घटनास्थल पर पहुंची एफएसएल टीम

इस विस्फोट की जानकारी देते हुए सोपोर एसएसपी दिव्या डी ने मीडिया को बताया कि ये विस्फोट कबाड़े की दुकान में हुआ है। उन्होंने बताया कि इस विस्फोट को लेकर मामला दर्ज कर लिया गया है और पड़ताल शुरू हो गई है। एसएसपी सोपोर ने बताया कि अब तक इस विस्फोट में 4 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है और पुलिस ने पड़ताल करने के लिए एफएसएल टीम को भी मौके पर बुला लिया है। सोपोर उत्तरी कश्मीर का वो हिस्सा है, जहां अलगाववादी नेता सय्यद अली जिलानी की मजबूत पकड़ थी। कश्मीर घाटी का ये इलाका अलगाववादी प्रदर्शनों के दौरान कई बार सुलगता रहा है। हालांकि पिछले काफी समय से यहां शांति रही है और आतंकवादी गतिविधियों में भी कमी आई है। फिलहाल सोमवार को हुए विस्फोट का कोई टेरर कनेक्शन सामने नहीं आया है, लेकिन पुलिस हर एंगल से पड़ताल कर रही है।

मौसम: आगामी 5-7 दिन अधिकांश भागों में बारिश की संभावना

कोटा और उदयपुर संभाग के कई हिस्सों में झमाझम

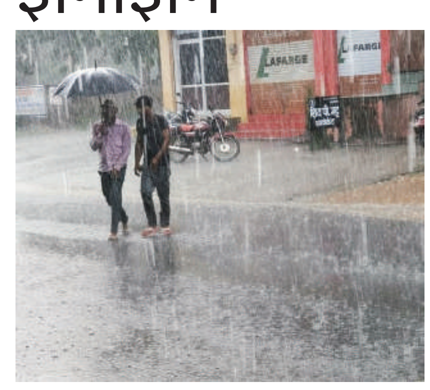

जयपुर। प्रदेश में जारी मानसून सभी जिलों में अच्छी बारिश हुई है। सोमवार को बीते 24 घंटे में कोटा और उदयपुर संभागों के कई हिस्सों में अच्छी बारिश हुई। मौसम विभाग ने आगामी 5-7 दिन अधिकांश भागों में मानसून सक्रिय रहने तथा बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना जताई है।

मौसम विभाग के अनुसार अभी उत्तरी छत्तीसगढ़ व आसपास के क्षेत्र के ऊपर बना परिसंचरण तंत्र दक्षिण पूर्वी मध्यप्रदेश व आसपास के क्षेत्र के ऊपर बना हुआ है तथा मानसून ट्रफ लाइन बीकानेर, अजमेर से गुजर रही है। इसके कारण पूर्वी राजस्थान में आगामी 5-7 दिन अधिकांश भागों में मानसून सक्रिय रहने तथा बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है।

सोमवार को बीते 24 घंटे में कोटा, उदयपुर संभागों में बारिश हुई। इन दोनों संभागों के साथ ही अजमेर, भरतपुर व जोधपुर संभाग के कुछ भागों में आगामी दो-तीन दिन मानसून सक्रिय रहने तथा कहीं-कहीं मध्यम से तेज बारिश होने की संभावना है।

हेल्थ इश्यू

प्रदेश में बढ़ा चांदीपुरा वायरस का खतरा, पांच जिलों के लिए अलर्ट जारी

- डूंगरपुर, बांसवाड़ा, उदयपुर, जालोर व सिरोही जिले CMHO को दिए गए निर्देश
- गुजरात से सटे जिलों के सभी सीएमएचओ सर्वे करवाने की तैयारी
- मक्खी और मच्छर से वायरस फैलने की आशंका अधिक

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में धीरे धीरे चांदीपुरा वायरस का खतरा बढ़ने लगा है। सोमवार को स्वास्थ्य विभाग ने प्रदेश के पांच जिलों के सीएमएचओ को अलर्ट भेज कर संदिग्ध एरिया में लगातार मॉनिटरिंग करने और सर्वे करवाने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश के डूंगरपुर, बांसवाड़ा, उदयपुर, जालोर और सिरोही जिले के सीएमएचओ को विशेष रूप से एक्टिव रहने के निर्देश दिए हैं। इधर, गुजरात से सटे जिलों में इन दिनों चांदीपुरा वायरस का खतरा बढ़ गया है। बता दें, पिछले दिनों में डूंगरपुर, उदयपुर के एरिया में पॉजिटिव केस मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। वहीं, एसएमएस मेडिकल कॉलेज में भी इसकी जांच शुरू हो गई है। जयपुर में अब तक इसके चार संदिग्ध मरीजों की जांच की जा चुकी है, लेकिन इन सभी की रिपोर्ट नेगेटिव आई है।

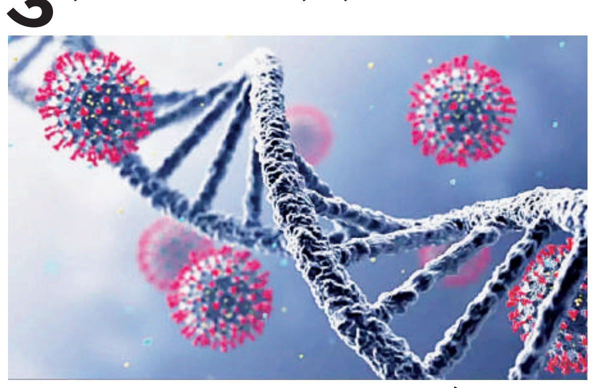

अब तक 13 संदिग्ध मरीजों के सैंपल जांच को भेजे

हेल्थ डिपार्टमेंट के कार्यवाहक स्वास्थ्य निदेशक डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि इस महीने चांदीपुरा वायरस के पॉजिटिव केस मिलने के बाद से अब तक 13 संदिग्ध मरीजों के सैंपल सीमावर्ती जिलों से पुणे भिजवाए हैं, जिनमें से 1 की रिपोर्ट रविवार को पॉजिटिव आई। पॉजिटिव आया तीन साल का ये बच्चा अभी डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज के हॉस्पिटल में भर्ती है। उसकी तबीयत अब ठीक है। वहीं, 8 संदिग्धों की रिपोर्ट निगेटिव आ चुकी है। शेष की रिपोर्ट आना अभी बाकी है। डॉ. शर्मा ने बताया कि पांच जिलों के सीएमएचओ को विशेष रूप से एक्टिव रहने के निर्देश दिए हैं।

राजधानी में लिए 4 सैंपल, सभी की रिपोर्ट निगेटिव

राजधानी जयपुर में इस तरह के चार संदिग्ध मरीजों के सैंपल जांच के लिए एसएमएस मेडिकल कॉलेज आ चुके है। ये सैंपल जयपुर के जे.के. लोन से आए थे। इन सभी की रिपोर्ट निगेटिव आई है। इस केस में मरीज का ब्लड सैंपल लेने के साथ सेरेब्रोस्पाइनल फ्लूड (सीएसएफ) लेकर जांच के लिए लैब भेजा जाता है।

फिलहाल गुजरात से लगते जिलों में खतरा ज्यादा

डॉक्टर्स के अनुसार ये वायरस सबसे ज्यादा मच्छर और मक्खी के काटने से फैलता है। अभी इसका खतरा फिलहाल गुजरात से लगते जिलों में है, क्योंकि इस समय इस वायरस के सबसे ज्यादा केस गुजरात में आ रहे हैं। इस केस में बच्चे के अचानक से तेज बुखार तो आता ही है। साथ ही, उल्टी-दस्त की शिकायत आती है। इसके अलावा बच्चों में अचानक बेहोश होने और दौरे पड़ने की भी स्थिति आती है। इस वायरस की मोर्टेलिटी रेट (मृत्यु दर) भी 20 से 40 फीसदी के बीच है, जो बहुत ज्यादा है। जयपुर में इस तरह के लक्षण वाले बच्चों जो जे.के. लोन हॉस्पिटल में आ रहे हैं। उनकी डॉक्टर मॉनिटरिंग कर रहे हैं। ऐसे संदिग्ध मरीजों के सैंपल की टेस्टिंग भी करवा रहे हैं।

जरूरी खबर

बांग्लादेशी-रोहिंग्या की पहचान के लिए चलेगा अभियान

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अजमेर जिला पुलिस को शहर में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों व रोहिंग्याओं की धरपकड़ के निर्देश दिए हैं। इसी तरह अवैध ई-रिक्शा संचालन व समय के बाद शराब बिक्री पर भी सख्ती होगी। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अजमेर के सर्किट हाऊस में पुलिस अधीक्षक से कानून व्यवस्था पर चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिए कि दरगार संपर्क सड़क, दिल्ली गेट व शहर के अन्य हिस्सों में बढ़ते अपराधों पर लगाम कसी जाए।

राठौड़ आज करेंगे विभिन्न नवाचारों का उद्घाटन

जयपुर। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ मंगलवार को राजस्थान सेंटर ऑफ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी (आर-कैट) परिसर में बिहेवियरल लैब, साइबर सुरक्षा सिमुलेशन लैब और ब्लॉकचेन एक्सपीरियंस सेंटर का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए प्लेसमेंट सहायता कार्यक्रम भी संचालित किया जाएगा। साथ ही राजस्थान के 12वीं कक्षा उत्तीर्ण छात्रों के लिए 'अर्ली कॅरियर प्रोग्राम' की शुरुआत के लिए एचसीएल के साथ एक एमओयू भी हस्ताक्षरित किया जाएगा। आर-कैट की कार्यकारी निदेशक ज्योति लुहाड़िया ने बताया कि सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ आर-कैट परिसर में विभाग के विभिन्न नवाचारों का उद्घाटन करेंगे।

होम गाड्र्स को महंगाई भत्ते का प्रावधान नहीं

जयपुर। गृह रक्षा व नागरिक सुरक्षा मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि होम गाड्र्स एक स्वयं सेवक निकाय है, जिन्हें अन्य विभागों से प्राप्त मांग के आधार पर रोस्टर प्रणाली द्वारा नियोजित किया जाता है। स्थायी कर्मचारी नहीं होने के कारण राज्य सरकार द्वारा इन्हें महंगाई भत्ता दिए जाने का कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि राजस्थान होम गाड्र्स अधिनियम, 1963 एवं राजस्थान होम गाड्र्स नियम, 1962 में संशोधन कर होम गाड्र्स सेवा नियम बनाने व होमगार्डों को ईपीएफ सुविधा देने का वर्तमान में प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। होमगार्ड, स्थायी एवं अस्थाई कर्मचारी की श्रेणी में नहीं होने के कारण इनको कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम 1952 के अंतर्गत ईपीएफ की सुविधा देय नहीं है।

विधानसभा में बोले खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा...

18 से कम और 60 से अधिक आयु के निराश्रितों को घर बैठे राशन

बेधड़क | जयपुर

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि प्रदेश में खाद्य सुरक्षा योजना के सभी लाभार्थियों को योजना का लाभ मिले, इसके लिए राज्य सरकार द्वारा संवेदनशील पहल करते हुए एक जुलाई 2024 से 18 वर्ष से कम एवं 60 वर्ष से अधिक आयु के निराश्रितों के लिए घर-घर जाकर राशन वितरण की व्यवस्था की गई है।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र मावली में 110 उचित मूल्य दुकानें संचालित हैं। इनमें से 14 दुकानें विभिन्न कारणों से रिक्त हैं, जिनका वैकल्पिक दुकानों के माध्यम से संचालन किया जा रहा है। उन्होंने इन दुकानों को शीघ्र भरने तथा प्रस्ताव प्राप्त होने आवश्यकतानुसार उचित मूल्य की दुकानें खोलने के लिए सदन को आश्वस्त किया। इससे पहले विधायक पुष्कर लाल डांगी के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने बताया कि 7 अप्रैल, 2010 एवं 26 दिसंबर, 2019 के विभागीय निर्देश द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत चयनित 500 राशनकार्डों अथवा 2000 यूनिट पर नवीन उचित मूल्य दुकान खोले जाने के मापदंड निर्धारित है।

अन्य पिछड़ा वर्ग को आरक्षण का लाभ नॉन क्रिमीलेयर के आधार पर: गहलोत

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग को आरक्षण का लाभ नॉन क्रिमीलेयर के आधार पर दिया जाता है। ओबीसी के जाति प्रमाण पत्र की वैधता एक वर्ष होती है। क्रिमीलेयर में नहीं होने की स्थिति में सत्यापित शपथ पत्र के आधार पर प्रमाण पत्र को तीन वर्ष तक मान्यता दी जा सकती है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ मामले में उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुसार अन्य पिछड़ा वर्ग के नॉन क्रीमीलेयर को आरक्षण का प्रावधान है। इसमें राज्य सरकार द्वारा किसी प्रकार का संशोधन नहीं किया जा सकता। इससे पहले विधायक भागचंद टांकड़ा के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा जारी जाति प्रमाण पत्र दिशा निर्देश के अनुसार ओबीसी के जाति प्रमाण पत्र की वैधता अवधि एक वर्ष की होती है, परन्तु क्रिमीलेयर में नहीं होने के संबधी तथ्य को तीन वर्ष के विधि सम्मत शपथ पत्र के आधार पर मान्यता दी गई है।

राजस्थान विधानसभा: तीन बार हुई सदन की कार्यवाही स्थगित

दलित अत्याचारों को लेकर हंगामा, वेल में की नारेबाजी

बेधड़क | जयपुर

विधानसभा में सोमवार को प्रतिपक्षी कांग्रेस ने प्रदेश में दलित अत्याचार की घटनाएं बढ़ने का आरोप लगाते हुए शून्यकाल में जमकर हंगामा किया। हंगामा और नारेबाजी इतनी बढ़ गई कि सदन को तीन बार स्थगित किया गया।

हंगामे के बीच संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि अपने राज में दलितों पर अत्याचार करने वाली कांग्रेस आज घड़ियाली आंसू बहा रही है। शून्यकाल में स्थगन प्रस्ताव के जरिये नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, बीएपी विधायक थावरचंद और कांग्रेस विधायक पीतराम सिंह काला ने दलित अत्याचारों का मामला उठाया। सलूंबर में दलित शिक्षक को तलवार से काटने, सीकर में दलित छात्र की हत्या सहित प्रदेश में दलित अत्याचार की घटनाओं के मुद्दे उठाए गए। विधायक थावरचंद ने सलूंबर में दलित शिक्षक को तलवार से काटकर मारने का मुद्दा उठाते हुए एक करोड़ के मुआवजे की मांग की। धरियाबाद से विधायक थावरचंद ने कहा कि सलूंबर में शिक्षक शंकर लाल मेघवाल की हत्या कर दी गई। प्रशासन और उनके परिवार में समझौता हुआ है, लेकिन यह समझौता भेदभावपूर्ण है।

घड़ियाली आंसू बहा रही है कांग्रेस

कांग्रेस के हंगामे के बीच संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि अपने राज में दलितों पर अत्याचार करने वाली कांग्रेस आज घड़ियाली आंसू बहा रही है। विधानसभा की कार्यवाही में बाधा डालना इनका असली मकसद है। कांग्रेस अपने राज को याद करे, उस वक्त खूब दलित अत्याचार हुए। पटेल ने कहा कि सीकर जिले में दलित छात्र की हत्या की जांच करवाई जाएगी। एक-दो दिन में सदन में तथ्यों सहित पूरी जानकारी दी जाएगी।

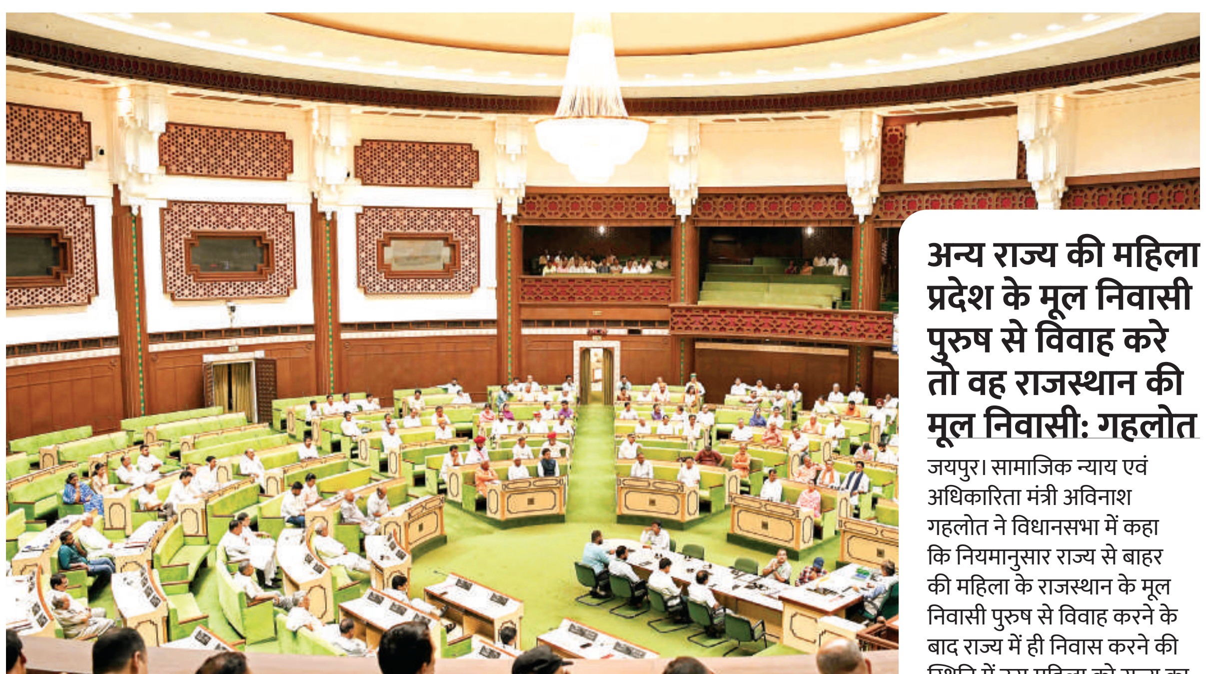

विपक्ष के हंगामे के बाद तीन बार सदन स्थगित

पिलानी से विधायक पीतराम सिंह काला ने थावरचंद का समर्थन करते हुए कहा कि यह घटनाएं हो ही क्यों रही हैं। दलित समाज के प्रति समाज का ऐसा रवैया क्यों है। सीकर में दलित छात्र की हत्या कर दी गई, सूरजगढ़ में रामेश्वर की हत्या कर दी गई, क्योंकि वह ठेके से शराब नहीं ले रहा था। बीकानेर में 17 वर्षीय लक्ष्मण की पीट-पीट पर हत्या कर दी गई। यह सामाजिक मुद्दे हैं और इन घटनाओं से सामाजिक ताना-बाना प्रभावित होने की संभावना है। इस पर प्रशासन क्यों कार्रवाई नहीं कर रहा है। इस बीच प्रतिपक्ष नेता टीकाराम जूली ने दखल देते हुए कहा कि यह गंभीर घटनाएं हैं। दलित को तलवार से काट दिया जाता है। कोई कार्रवाई नहीं होती है। इसके बाद विपक्ष ने हंगामा करना शुरू कर दिया और सरकार के खिलाफ आरोप और नारेबाजी करते हुए वैल में आ गए। ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के दौरान भी हंगामा और नारेबाजी जारी रही। हंगामा बढ़ता देख स्पीकर ने लंच ब्रेक से पंद्रह मिनट पहले ही यानी पौन बजे सदन की कार्यवाही दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी। विधानसभा में भोजनावकाश के बाद भी दलित अत्याचारों के मुद्दे पर कांग्रेस का हंगामा जारी रहा। कांग्रेस विधायकों ने वेल में आकर नारेबाजी और हंगामा किया। हंगामे के बीच ही उप मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री दिया कुमारी ने वित्त और विनियोग विधेयक पर चर्चा का प्रस्ताव रखा। हंगामा जारी रहने पर स्पीकर ने दो बजकर छह मिनट पर आधे घंटे के लिए कार्यवाही स्थगित कर दी। दो बजकर छत्तीस मिनट पर सदन की कार्यवाही फिर शुरू हुई लेकिन विपक्ष का हंगामा जारी रहा। इस पर एक बार फिर सभापति संदीप शर्मा ने सदन की कार्यवाही हंगामे के कारण कार्यवाही आधे घंटे के लिए तीसरी बार स्थगित हो गई है। आधे घंटे बाद सदन की कार्यवाही फिर शुरू हुई लेकिन विपक्षी सदस्यों का वैल में हंगामा जारी रहा। इस पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने व्यवस्था दी कि सरकार मंगलवार को शून्य काल के बाद इस मामले में जवाब देगी। इसके बाद सदन में शांति हुई और सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से जारी रही।

अन्य राज्य की महिला प्रदेश के मूल निवासी पुरुष से विवाह करे तो वह राजस्थान की मूल निवासी: गहलोत

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने विधानसभा में कहा कि नियमानुसार राज्य से बाहर की महिला के राजस्थान के मूल निवासी पुरुष से विवाह करने के बाद राज्य में ही निवास करने की स्थिति में उस महिला को राज्य का मूल निवासी मान लिया जाता है। प्रश्नकाल के दौरान सदस्यों द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि गृह विभाग, राजस्थान सरकार के परिपत्र 28 अगस्त, 2012 के तहत राज्य से बाहर की महिला के राज्य के मूल निवासी पुरुष के साथ विवाह कर राज्य में ही रहने पर उसे 10 वर्ष के निवास की शर्त के बिना ही राज्य का मूल निवासी माना जाता है। विधायक मनोज कुमार के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने बताया कि कार्मिक विभाग राजस्थान सरकार के परिपत्र 21 अक्टूबर, 2002 के अनुसार अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अन्य पिछडा वर्ग के ऐसे व्यक्ति जो अन्य राज्यों से माईग्रेट होकर राजस्थान राज्य में निवास कर रहे हैं, ऐसे व्यक्तियों को स्वयं के उपयोगार्थ तो जाति प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जा सकता है, लेकिन ऐसे माईग्रेट व्यक्तियों की संतान को जिनका जन्म राजस्थान राज्य में ही हुआ है, यहीं शिक्षा ग्रहण की है, यहीं से मूल निवास प्रमाण पत्र प्राप्त किया है तथा राजस्थान सरकार द्वारा जारी इन वर्गों की सूची (जिसे अधिसूचित किया गया है) में सम्मिलित है, तो उन्हें नियमानुसार जाति प्रमाण पत्र जारी किया जा सकता है। उन्होंने नियम की प्रति सदन के पटल पर रखी।

पूर्व सीएम गहलोत पर बोला हमला

पूर्व सांसद खिलाड़ी का 4 माह में BJP से मोह भंग, इस्तीफा

बेधड़क | जयपुर

कुछ ही महीने पहले कांग्रेस छोड़कर आए पूर्व सांसद खिलाड़ी लाल बैरवा का भाजपा से मोहभंग हो गया है। उन्होंने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। बैरवा ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ को भेजे इस्तीफे में कहा है कि वह पार्टी की विचारधारा से खुद को जोड़ नहीं सके और इसलिए अलग होने का फैसला किया। सचिन पायलट के करीबी माने जाते रहे खिलाड़ी लाल ने इस्तीफे में एक बार फिर कांग्रेस नेता और पूर्व सीएम अशोक गहलोत को ही निशाने पर रखा है।

बसेड़ी से विधायक रह चुके बैरवा ने लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। राजस्थान अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष रहे बैरवा पूर्व सांसद भी हैं। उन्होंने भाजपा से इस्तीफा देते हुए लिखा, 'भाजपा और कांग्रेस अलग-अलग विचारधाराएं हैं। मैंने और मेरे कार्यकर्ताओं ने भाजपा जॉइन की, लेकिन काफी प्रयास के बाद भी भाजपा की विचारधारा से अपने आप को जोड़ नहीं पा रहा हूं। 33 वर्ष कांग्रेस में सक्रिय राजनीति की है। विचारधारा खून में शामिल हो गई है। मुझे भाजपा से कोई शिकायत नहीं है, लेकिन मैं और मेरे साथी कार्यकर्ता भाजपा से अलग होते हुए प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं।'

गहलोत को भला-बुरा कहते हुए भाजपा में गए बैरवा ने अब भगवा पार्टी को छोड़ते हुए भी कांग्रेस नेता को ही निशाने पर रखा। उन्होंने नाम लिए बिना इस्तीफे के अधिकतर हिस्से में गहलोत पर ही आरोप लगाए हैं।

काम पर लौटे राजमेस के चिकित्सक शिक्षक

बेधड़क | जयपुर

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर की संवेदनशील पहल के बाद राजमेस के अधीन संचालित 17 मेडिकल कॉलेजों के चिकित्सक शिक्षक सोमवार शाम को वापस काम पर लौट गए। ये चिकित्सक शिक्षक विभिन्न मांगों को लेकर करीब एक सप्ताह से सामूहिक अवकाश पर थे।

चिकित्सा मंत्री ने इन चिकित्सक शिक्षकों की मागों पर सकारात्मक एवं सहानुभूतिपूर्वक निर्णय लेने के लिए निदेशक राजमेस की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया है। कमेटी में राजमेस के अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन), वित्तीय सलाहकार, अतिरिक्त निदेशक (अकादमिक) तथा राजस्थान मेडिकल कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन वेलफेयर सोसायटी के चार नामित सदस्य शामिल होंगे। चिकित्सक शिक्षकों ने मांगों पर सकारात्मक कार्यवाही के बाद काम पर लौटने का निर्णय लिया। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बताया कि वित्त विभाग द्वारा राजमेस के अधीन संचालित मेडिकल कॉलेजों में एक अगस्त 2024 या इसके बाद नियुक्त चिकित्सक शिक्षकों को राजस्थान चिकित्सा शिक्षा नियम, 1962 के तहत नियुक्त चिकित्सक शिक्षकों के समान वेतन-भत्ते, डीएसीपी योजना अनुसार पदोन्नति एवं समय-समय पर निर्धारित वेतनमान दिया जाना प्रक्रियाधीन है।

बजट पर बहस के जवाब में मुख्यमंत्री की घोषणाएं

अब 70 से 75 साल तक के पेंशनर्स को मिलेगा 5 प्रतिशत अतिरिक्त भत्ता

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गत सरकार द्वारा गठित कर्मचारी वेतन विसंगति परीक्षण समिति की वेतन सुधार, वेतन विसंगति संबंधी शेष सिफारिशों को 1 सितंबर, 2024 से लागू करने, राजस्थान कॉन्ट्रेक्चुअल हॉयरिंग टू सिविल पोस्ट्स रूल्स-2022 के अंतर्गत सृजित पदों के नियमित पदों में परिवर्तित किए जाने पर नियुक्ति के लिए 5 वर्ष के अनुभव की निर्धारित पात्रता अवधि में वर्ष 2024-25 में 2 वर्ष की छूट प्रदान किए जाने की घोषणा की। उन्होंने पेंशनर्स को राहत प्रदान करते हुए 70 से 75 वर्ष के पेंशनर्स के लिए 5 प्रतिशत अतिरिक्त भत्ता दिए जाने की घोषणा की।

अग्निवीरों के लिए प्रावधान

सीएम ने केंद्रीय सशस्त्र बलों की तर्ज पर अग्निवीर युवाओं को पुलिस, आरएसी, जेल प्रहरी, वन रक्षक में नियुक्ति दिए जाने का प्रावधान करने की घोषणा की। उन्होंने प्रदेश में 100 सीटर राज्य स्तरीय अभय कमांड सेंटर की स्थापना करने, तिजारा (खैरथल) में बॉर्डर होमगार्डस की एक कंपनी तैनात किए जाने, अजमेर/जयपुर स्थित राजस्व मंडल एवं कर बोर्ड का एकीकरण किये जाने, डीड राइटर्स की संख्या दोगुनी कर 5 हजार किए जाने, विभिन्न प्रशासनिक, पुलिस इकाईयों एवं न्यायालयों की स्थापना एवं क्रमोन्नयन सहित अन्य महत्वपूर्ण घोषणाएं भी की। उन्होंने बार काउंसिल को एक बारीय सहायता के रूप में 7 करोड़ 50 लाख रुपए प्रदान करने की घोषणा की।

सीएम की मुख्य घोषणाएं

- युवाओं को उद्योग लगाने की योजना के तहत अब 2 करोड़ रुपए तक रियायती दर पर कर्ज।
- अजमेर में आईटी पार्क विकसित करने की घोषणा।
- सरकारी सेवाओं के कॉमन एंट्रेंस टेस्ट में अब अंक सीमा घटाकर 40 प्रतिशत की, अब 40 फीसदी अंकों वाले भी सीईटी दे सकेंगे।
- एम्स की तर्ज पर राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेंज खोलने की घोषणा, इसके लिए 750 करोड़ का बजट।
- इलेक्ट्रोपैथी बोर्ड का गठन होगा, पांच करोड़ का बजट तय. पिछली वसुंधरा राजे सरकार के समय इलेक्ट्रोपैथी को मान्यता दी गई थी।
- प्रदेश में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की भर्ती होगी. सीएम ने कहा कि लंबे समय से अटकी हुई यह भर्ती सरकार नए नियमों के साथ फिर से शुरू करेगी।
- कच्ची बस्तियों में रहने वालों के लिए आश्रय योजना शुरू की जाएगी। पक्के घर के लिए सरकार एक लाख रुपए देगी, इस पर 50 करोड़ रुपए खर्च होंगे।
- एनसीसी कैडेट्स को विभिन्न प्रकार के गेम्स के दौरान मेस भत्ता 150 रुपए से बढ़ाकर 220 रुपए प्रतिदिन किए जाना प्रस्तावित।
- पाली, बाली, खींवसर, नागौर, लोहावट में खेल स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा।
- आसींद क्षेत्र में शिकार पर प्रतिबंध लगाते हुए इसे आखेट निषेध क्षेत्र घोषित किया जाएगा।
- राजस्थान में खरीदी जाएंगी एक हजार इलेक्ट्रिक बसें।
- बीकानेर और भरतपुर यूआईटी को विकास प्राधिकरण बनाने की घोषणा की।
- अजमेर के राजस्व मंडल के दफ्तरों का एकीकरण होगा।
- तिजारा, खैरथल में बॉर्डर होमगार्ड की कंपनी तैनात होगी।
- डीडवाना, भाड़ोती में नई कृषि मंडी खोली जाएगी।
- नए दूध संकलन केंद्र खोले जाएंगे।

जरूरी खबर

एक ट्रक सामान जब्त, 16 हजार रुपए का चालान

जयपुर। हेरिटेज नगर निगम की सतर्कता शाखा ने सोमवार को अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक ट्रक सामान जब्त कर 16000 वसूले हैं। हेरिटेज निगम के सतर्कता उपायुक्त पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि सतर्कता शाखा की ओर से अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। दस्ते ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए छोटी चौपड़, चांदपोल बाजार, बड़ी मस्जिद, जालूपुरा, राजमंदिर के सामने नाले पर, पांच बत्ती, सुभाष मार्ग, सी स्कीम, इंदिरा बाजार तक अभियान चला कर सड़क और बरामदे से अस्थाई अतिक्रमण हटाया। इस दौरान राजस्व निरीक्षक बैद्यनाथ कौशिक के नेतृत्व में दस्ते ने एक ट्रक सामान जब्त किया और 16 हजार रुपए का चालान वसूल किया है।

70 किलो मांस जब्त, 5 दुकानों को किया सीज

जयपुर। नगर निगम हेरिटेज की पशु प्रबंधन शाखा ने सोमवार को बिना लाइसेंस और खुले में मीट बेचने वाली दुकानों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पांच दुकानें सीज की है। हेरिटेज निगम के पशु प्रबंधन शाखा उपायुक्त राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि हेरिटेज निगम की ओर से बिना लाइसेंस और खुले में मांस बेचने पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। सोमवार को निगम टीम ने गुर्जर की थड़ी, न्यू सांगानेर रोड पर औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कार्रवाई करते हुए मीट की पांच अवैध दुकानों को सीज किया। साथ ही 15000 रुपए का चालान कर 70 किलो अवैध मीट को जब्त कर नष्ट कराया गया।

श्रावण के दूसरे सोमवार को शिवमय हुई छोटी काशी, गूंजे जयकारे

तीर्थ के पवित्र जल से अभिषेक, फूल बंगला में विराजे भोलेनाथ

बेधड़क | जयपुर

श्रावण के दूसरे सोमवार को छोटी काशी जयपुर के शिवालयों में हर-हर महादेव के जयकारे अल सुबह से ही गूंजने लगे। सुबह ब्रह्म मुहूर्त में शिवालयों के पट खुलते ही शिव मंदिरों में भोले के भक्तों का तांता लग गया। भोले के भक्तों ने बाबा का दूध, दही, बूरा, शहद, घी, गंगाजल, पानी बिल्व पत्र, गन्ने के रस से अभिषेक कर रोली-मोली चावल धतूरे से उनकी पूजा-अर्चना की।

क्वींस रोड स्थित झाड़खंड महादेव मंदिर में श्रावण के दूसरे सोमवार को सुबह से शाम तक भोले के भक्तों का तांता लगा रहा। पंडित प्रदीप गौड़ राजपुरोहित ने बताया कि यहां पर भोले बाबा के भक्तों ने बाबा का पहले अभिषेक करने के चक्कर में अल सुबह ही मंदिर के लिए दौड़ लगा दी और सुबह साढ़े 4 बजे से ही लंबी कतार में लग कर अपने नम्बर आने का इंतजार करने लगे। श्रावण के दूसरे सोमवार को बड़ी संख्या में भक्तगण झारखंड मंदिर पहुंचे। गौड़ ने बताया कि भक्तों की बड़ी संख्या को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने पुलिस के साथ मिलकर भक्तों के लिए पार्किंग की अलग व्यवस्था की।

ताड़केश्वर महादेव का किया अलौकिक श्रृंगार

चौड़ा रास्ता के ताड़केश्वर महादेव मंदिर में भी श्रावण के दूसरे सोमवार को अल सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। ताड़केश्वर महादेव मंदिर में भक्तों ने बाबा का दूध, दही, बूरा, शहद, घी, गंगाजल, पानी बिल्व पत्र, गन्ने के रस से अभिषेक उनका अलौकिक श्रृंगार किया। इसके पश्चात समूह में भक्तों ने बाबा की आरती की। देर शाम भोले बाबा के समक्ष फूल बंगला झांकी सजाई गई।

कतार में लगकर की पूजा

आमेर रोड स्थित गोविंद देवजी मंदिर के काला महादेव मंदिर में ब्रह्म मुहूर्त में मंदिर में भक्तों का तांता लग गया। इसके चलते मंदिर प्रशासन ने भक्तों को कतार में लगाकर भोले नाथ की पूजा संपन्न करवाई। झोटवाड़ा रोड के चमत्कारेश्वर, बनीपार्क के जंगलेश्वर, रामगंज के ओंडा महादेव, आमेर के भूतेश्वर, कूकस के सदाशिव ज्योर्ति लिंगेश्वर सहित अनेक शिव मंदिरों में भी श्रावण के दूसरे सोमवार को भोले के भक्तों ने गलता तीर्थ के पवित्र जल से बाबा का जलाभिषेक कर विधि-विधान से पूजा अर्चना की। सिटी पैलेस स्थित राजराजेश्वर मंदिर में भी श्रद्धालुओं ने भोलेनाथ का जल अभिषेक कर विधि-विधान से पूजा अर्चना की और बाबा के दर्शन कर सुख समृद्धि की कामना की। उत्तर भारत की प्रमुख श्री वैष्णव पीठ गलता जी में भी सोमवार को हजारों की संख्या में शिव भक्त उमड़े।

JDA ने राजधानी में दो अलग-अलग जगह की कार्रवाई

SMS अस्पताल से त्रिमूर्ति सर्किल तक 3 किमी में 85 अतिक्रमण तोड़े

बेधड़क | जयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण का बुलडोजर सोमवार को राजधानी में दो अलग-अलग जगह पर अतिक्रमणों पर चला। जेडीए के प्रवर्तन प्रकोष्ठ की ओर से जोन-1 में एसएमएस हॉस्पिटल से नारायण सिंह तिराहा, वहां से त्रिमूर्ति सर्किल, जेके लोन से बांगड़ हॉस्पिटल तक रोड के दोनों तरफ करीब 3 किमी तक 85 अतिक्रमण हटाए।

वहीं, जोन-10 में ईकोलोजिकल जोन जयसिंहपुरा खोर किल्लनगढ़ में जेडीए स्वामित्व की करीब 50 बीघा बेशकीमती सरकारी भूमि को कब्जा मुक्त करवाया गया। जयपुर शहर के मुख्य रोड, सेक्टर रोड व अन्य रोड पर बाधित यातायात आवागमन को सुगम संचालन हेतु सड़कों पर अस्थाई रूप से किए जा रहे अवैध कब्जों-अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई की गई। प्रवर्तन प्रकोष्ठ ने 15 जुलाई से शुरू की गई कार्रवाई के तहत सोमवार को एसएमएस हॉस्पिटल से नारायण सिंह से त्रिमूर्ति सर्किल, जेके लोन से बांगड़ हॉस्पिटल तक रोड के दोनों तरफ करीब 3 किमी तक के एरिया में करीब 85 अतिक्रमणों को हटाया। जेडीए की ओर से की जा रही कार्रवाई में अब तक कुल 1940 अवैध कब्जों-अतिक्रमणों को हटवाया गया। साथ ही ईकोलोजिकल जोन जयसिंहपुरा खोर किल्लनगढ़ में जेडीए स्वामित्व की करीब 50 बीघा बेशकीमती सरकारी भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया।

जयसिंहपुरा खोर में 50 बीघा सरकारी जमीन मुक्त करवाई

मुख्य सड़क को अतिक्रमण मुक्त कराया

मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन महेन्द्र कुमार शर्मा के निर्देशन में उप नियंत्रक-प्रथम, प्रवर्तन अधिकारी जोन-01, 03 के सहयोग से सामूहिक अभियान का आयोजन कर एसएमएस हॉस्पिटल से नारायण सिंह से त्रिमूर्ति सर्किल, जेके लोन से बांगड़ हॉस्पिटल तक रोड के दोनों तरफ करीब 3 किमी तक के दायरे में दुकानों, मकानों के आगे अत्यधिक लम्बाई में बने चबुतरे लगाए गए लोहे के ऐंगल, टीनशेड, चाय, नास्ते की थडियां, ठेले, तिरपाल, लोहे की रेलिंग, जालियां, टेबल कुर्सियां, होर्डिंग-साइन बोर्ड, पत्थर, पट्टियां इत्यादि से किए गए लगभग 85 स्थाई-अस्थाई अवैध कब्जों-अतिक्रमणों को जोन-01 के राजस्व व तकनीकी स्टाफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा हटाया और तोड़ा गया।

नहीं माने तो की कार्रवाई

जेडीए की ओर से जोन-10 के क्षेत्राधिकार इकोलॉजिकल जोन ग्राम जयसिंहपुरा खोर किल्लनगढ़ में खसरा नम्बर-188/2 जेडीए स्वामित्व की करीब 50 बीघा बेशकीमती सरकारी भूमि पर भूमाफियाओं द्वारा कब्जा-अतिक्रमण कर अवैध रूप से झुग्गी-झोपड़ियों, बाउंड्रीवाल, चबूतरे, बनाकर, तारबंदी कर अतिक्रमण किए जाने की शिकायत प्राप्त होने पर उपायुक्त जोन कार्यालय से अतिक्रमण प्रोफार्मा रिपोर्ट प्राप्त कर पूर्व में नोटिस जारी किए जाकर अतिक्रमण करने वालों को अतिक्रमण हटाने के लिए पाबंद किया गया था। इसके बाद भी अतिक्रमणकारी की ओर से अतिक्रमण नहीं हटाने पर आज जोन-10 के राजस्व व तकनीकी स्टाफ की निशानदेही पर प्रवर्तन दस्ते ने जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर हटवाया जाकर जेडीए स्वामित्व की बेशकीमती सरकारी भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। जविप्रा स्वामित्व की सरकारी भूमि-पार्क पर अवैध कब्जे-अतिक्रमण करने के संबंध में संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई के लिए उक्त सरकारी भूमि को संरक्षित व सदुपयोग करने के संबंध में उपायुक्त जोन-10 को पत्र लिखा गया है।

30 से ज्यादा स्ट्रक्चर ध्वस्त

...इधर, एयरपोर्ट के लिए जगतपुरा के पास खाली करवाई 10 बीघा जमीन

बेधड़क | जयपुर

जयपुर एयरपोर्ट ऑथोरिटी की अवाप्तशुदा करीब 10 बीघा जमीन को सोमवार को खाली करवाकर जिला प्रशासन की टीम ने कब्जा लिया। इसके बाद जमीन को एयरपोर्ट ऑथोरिटी के सुपुर्द किया। इस कार्रवाई के दौरान 30 से ज्यादा स्ट्रक्चर तोड़े गए। इसके लिए मौके पर पुलिस फोर्स के जवान और जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारियों की टीम तैनात रही।

जगतपुरा के पास मनोहरपुरा गांव की यह जमीन 9 साल पहले अवाप्त की गई थी, जिसके बाद से इसका मामला कोर्ट में विचाराधीन था। सांगानेर तहसीलदार अरविंद कविया ने बताया कि ये जमीन साल 2015 में एयरपोर्ट ऑथोरिटी ने अवाप्त की थी। जमीन के अवाप्ति के मामले में खातेदार और यहां मकान बनाकर रह रहे कुछ प्रभावित लोग कोर्ट में चले गए थे। तब से इस पर यथास्थिति के आदेश थे। इस दौरान अवाप्ति का मुआवजा ऑथोरिटी की ओर से कोर्ट में जमा करवाया गया, जबकि प्रभावित भूखंडधारियों को जेडीए से मुआवजे में भूखड आवंटित करवाए गए।

तहसीलदार ने बताया कि रामसिंह कॉलोनी में बने 5 से ज्यादा मकानों को तोड़ा गया, जबकि दो दर्जन से ज्यादा कोठरिया, बाउण्ड्रीवाल थी, जिन्हें तोड़ा गया। उन्होंने बताया कि करीब 10 बीघा जमीन का कब्जा एयरपोर्ट ऑथोरिटी को सौंप दिया है। प्रभावितों के स्ट्रक्चर का मुआवजा कोर्ट में जमा है, जबकि भूखंडधारियों को जेडीए की ओर से पहले ही प्लांट आवंटित किए जा चुके हैं।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए ख़बर, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें ।

मेंटेनेंस के कारण रहेगी सप्लाई प्रभावित

30 इलाकों में आज बिजली कटौती

बेधड़क | जयपुर

राजधानी के कई इलाकों में मंगलवार को अलग-अलग समय में बिजली की कटौती की जाएगी। अम्बाबाड़ी, कालवाड़ रोड समेत 30 से अधिक इलाकों में मेंटेनेंस के कारण बिजली सप्लाई प्रभावित रहेगी। इन इलाकों में सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक अलग-अलग शिफ्ट में बिजली बंद रहेगी। सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक अम्बाबाड़ी, कालवाड रोड, लता सर्किल, खातीपुरा रोड, जयपुरिया, कंपाउंड, पटेल नगर, झोटवाडा पुलिया, ढ़ेहर का बालाजी रेलवे स्टेशन गांधी पथ वेस्ट, गोविंद नगर, शक्ति धाम, बालाजी विहार, एल एन नगर, शिव विहार, लक्ष्मी विहार, मां हिंगलाज नगर, राजविहार, मां वैष्णो नगर और आसपास बिजली बंद रहेगी। अमानीशाह दरगाह, हरी नगर, चौधरी डेयरी, किशन बाग़, विशाल सिंह बारिंग स्वर्ण जयंती गार्डन और आस पास का प्रभावित क्षेत्र। हनुमान नगर ए, सी, गौतम मार्ग, गुरुजंबेश्वर नगर, गांधी पथ और आस पास के इलाके में बिजली कटौती की जाएगी। सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक तिलक नगर क्षेत्र में पानी की टंकी के आसपास, रमन मार्ग, प्रभु मार्ग और आसपास के इलाके में बिजली काटी जाएगी।

मॉकड्रिल से मचा हड़कंप, दो घंटे चला सर्च ऑपरेशन

जलमहल की पाल पर मिला बम, डिफ्यूज किया

बेधड़क | जयपुर

जलमहल की पाल पर सोमवार शाम बम मिलने की सूचना से आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। जयपुर नॉर्थ के आलाधिकारियों सहित आमेर सर्किल थाना पुलिस, बम स्क्वायड, डॉग स्क्वायड टीम ने तुरंत मोर्चा संभाला। दो घंटे सर्च ऑपरेशन के दौरान ब्लैक कलर के बैग में रखे बम को डिफ्यूज किया गया। जिला प्रशासन की ओर से मॉकड्रिल करने का पता चलने पर स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। एसीपी आमेर शिवरतन गोदारा ने बताया कि शाम करीब 4 बजे पुलिस कंट्रोल रूम से जलमहल की पाल पर बम होने की सूचना मिली। बम की सूचना पर जयपुर नॉर्थ पुलिस अधिकारी सहित आमेर सर्किल थानों का पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा। पुलिस दल के साथ ही सुरक्षा एजेंसियों भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस की अचानक गतिविधि को देखकर राहगीरों और आस-पास के लोगों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने बम स्क्वायड व डॉग स्क्वायड टीम की मदद से तुरंत सर्च ऑपरेशन शुरू किया। जलमहल की पाल पर बने ब्लॉक में ब्लैक कलर का बैग रखा मिला। बम स्क्वायड की टीम ने बैग को खोलकर उसमें रखा बम डिफ्यूज किया। सुरक्षा एजेंसियों ने करीब 2 घंटे सर्च ऑपरेशन चलाकर बम डिफ्यूज किया। जिला प्रशासन की ओर से मॉकड्रिल कर टाइम रिस्पॉन्स नोट किया गया। बम होने की सूचना के मॉकड्रिल होने का पता चलने पर लोगों ने राहत की सांस ली।

JCTSL कर्मियों ने दी चक्का जाम की चेतावनी

कंडक्टरों की गांधीवादी हड़ताल, भूखे रहकर काटे लो फ्लोर बसों में टिकट

बेधड़क | जयपुर

विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलनरत लो फ्लोर बसों के कंडक्टरों ने सोमवार से भूख हड़ताल शुरू कर दी है, लेकिन साथ में वे ड्यूटी भी कर रहे हैं। आम जनता को परेशानियों का सामना न करना पड़े, इसलिए कर्मचारियों ने गांधीवादी तरीके से आंदोलन की शुरुआत की है। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि भूख हड़ताल के बाद भी उनकी मांगों की प्रशासन सुनवाई नहीं करता है, तो जयपुर पब्लिक ट्रांसपोर्ट को ठप कर बसों का चक्का जाम किया जाएगा।

जेसीटीएसएल मजदूर कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बाबूलाल नांगली ने बताया कि उनकी लड़ाई प्रशासन के खिलाफ है। ऐसे में आम जनता को असुविधा न हो इसलिए काम करते हुए अपना विरोध जताने का रास्ता निकाला गया है. इससे डिपार्टमेंट को भी राजस्व का नुकसान नहीं होगा। उन्होंने बताया कि मांग वही है जो यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने भी सदन से निर्देश दिए थे। कुछ कर्मचारी 10 साल से पद विरुद्ध कार्य कर रहे हैं, उन्हें पद के अनुरूप कार्य करवाया जाए।

सुनवाई नहीं, तब उठाया कदम

बाबूलाल नांगली ने कहा कि जिन बसों का संचालन दूरस्थ और नाइट ड्यूटी में होता है, उन्हें नाइट ड्यूटी एलाउंस और ओवरटाइम ड्यूटी के लिए भुगतान किया जाए। इसके अलावा भी कई जायज मांगे हैं, जिनकी सुनवाई नहीं होने पर अब भूख हड़ताल का रास्ता अपनाया है। उन्होंने बताया कि शुरुआत दो कर्मचारियों से की गई है, लेकिन दिन-ब-दिन ये संख्या बढ़ती जाएगी और यदि समय रहते जेसीटीएसएल प्रबंधन की ओर से उनकी मांगों का निस्तारण नहीं किया जाता है, तो मजबूरन कार्य बहिष्कार का निर्णय लेना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि पहले काली पट्टी बांधकर अपनी मांग रखते हुए आंदोलन किया गया था। उस वक्त प्रशासन से हुई वार्ता में सकारात्मक आश्वासन दिया गया। इसके बाद मुख्यालय और सचिवालय पर जो प्रोटेस्ट अनाउंस किया था। उसे स्थगित भी किया गया, लेकिन कर्मचारियों को जो लाभ मिलना चाहिए था वो नहीं मिल पाया है। ऐसे में अब भूख हड़ताल कर अपनी आवाज उठानी पड़ रही है।

ये हैं प्रमुख मांगें

- स्थाई भर्ती 2013 से नियुक्त कर्मचारियों के लंबित प्रकरणों का निपटान करते हुए नियमित किया जाए।
- 2015-2024 तक कर्मचारियों की बकाया एनपीएस कटौती संबंधित के खाते में जमा करवाई जाए और ओपीएस की कटौती भी समय पर संबंधित के खाते में जमा करवाई जाए।
- कर्मचारियों और उनके पारिवारिक सदस्यों के पास जारी करवाए जाएं।
- आगारों से बाहर रात्रि विश्राम करने वाले वाहनों के परिचालकों को रात्रि विश्राम भत्ता और ओडीआर दिया जाए।
- लम्बे समय से ऑफिस कार्य में लगे कर्मचारियों को प्रत्येक तीन महीने में बदला जाए।
- बकाया एरियर का भुगतान किया जाए।
- आठ घंटे से ज्यादा ड्यूटी और डबल ड्यूटी पर अवकाश के बजाए ओवरटाइम का नकद भुगतान किया जाए।

जरूरी खबर

उदयपुर में एसीबी ने दो भ्रष्ट अफसरों को धरदबोचा

उदयपुर। एसीबी की टीम ने सोमवार को एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। एसीबी की उदयपुर इकाई ने जलसंसाधन विभाग के अधिशासी अभियंता गणपत शर्मा और अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी गजेंद्र सिंह राजपूत को परिवादी से 40 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि उदयपुर इकाई को परिवादी ने शिकायत दी थी कि उसकी फर्म को मिले टेंडर के संबंध में कार्यादेश जारी करने की एवज में घूस मांग रहे थे।

मेडिकल शिक्षकों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बाड़मेर। मेडिकल कॉलेज के चिकित्सक शिक्षकों ने सोमवार को कलेक्टर को सीएम के नाम ज्ञापन सौंपकर ड्राइंग कैडर खत्म करके समान रूप से चिकित्सक शिक्षकों पर राजस्थान सर्विस नियम लागू करने की मांग रखी। मेडिकल शिक्षक डॉ. पंकज अग्रवाल ने बताया कि 22 जुलाई से बाड़मेर सहित प्रदेश के 17 मेडिकल कॉलेज के चिकित्सक शिक्षक हड़ताल पर हैं। इस बजट सत्र में सरकार ने यह घोषणा की थी कि राजमेस में भी राज्य सेवा नियमों को लागू किया जाएगा, लेकिन हाल ही में जारी हुए एक आदेश में वर्तमान में कार्यरत चिकित्सक शिक्षकों को इस नियम से बाहर करके ड्राइंग कैडर बनाया है।

आकाशीय बिजली गिरने से महिला मजदूर की मौत

डूंगरपुर। सदर थाना क्षेत्र के देवल गांव में सॉफ्ट स्टोन की माइंस पर आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला मजदूर की मौत हो गई, जबकि 9 अन्य महिला मजदूर झुलस गईं। सभी महिला मजदूर बारिश से बचने के लिए डंपर की आड़ लेकर बैठी हुई थी। झुलसी महिला मजदूरों को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। माइंस मालिक देवेंद्र जैन ने बताया कि बारिश से बचने के लिए सभी श्रमिक डंपर के नीचे बैठे हुए थे। इतने में आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आने से खानमीन निवासी 67 वर्षीय महिला मजदूर कंकू पत्नी बेचर मीणा की मौत हो गई, वहीं, 9 अन्य महिला मजदूर झुलस गई। सभी का इलाज चल रहा है।

जनाना कुंड में नहाने पर हुआ विवाद... सांभरलेक में पुलिसकर्मी ने कांवड़िये से मारपीट की, पुलिसकर्मी सस्पेंड

लोहार्गल में कांवड़ियों पर लाठीचार्ज, अफरा-तफरी मची

बेधड़क | झुंझुनूं

झुंझुनूं के तीर्थराज लोहार्गल में रविवार रात को कांवड़ियों और होमगार्ड के जवान के बीच झड़प हो गई. उसके बाद पुलिस ने कांवड़ियों पर लाठीचार्ज कर उनको खदेड़ दिया। लाठीचार्ज से वहां भगदड़ मच गई।

भगदड़ में वहां दुकानों में तोड़फोड़ भी कर दी गई। बाद में पुलिस ने बमुश्किल हालात पर काबू पाया। झुंझुनूं जिले का यह मामला जैसे-तैसे करके शांत हुआ तो उसके बाद जयपुर ग्रामीण के सांभर में कांवड़ियों और पुलिस के बीच विवाद हो गया। वहां भी एक पुलिसकर्मी ने कांवड़िये के साथ मारपीट कर दी। उसके बाद मचे बवाल को देखते हुए पुलिसकर्मी को सस्पेंड कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार रविवार रात को बड़ी संख्या में कांवड़िये तीर्थराज लोहार्गल पर कावड़ लेने के लिए पहुंचे थे। सूर्य कुंड में स्नान के दौरान लोगों की संख्या बढ़ गई। इस पर होमगार्ड और पुलिस के जवानों ने उनसे टोकाटाकी की। इससे उनके बीच झड़प हो गई। बाद में हालात बिगड़े तो पुलिस और होमगार्ड के जवानों ने सूर्यकुंड में नहा रहे कावड़ियों पर लाठियां भांजी। इससे वहां भगदड़ मच गई। हालात की जानकारी मिलने पर गोठड़ा थाना अधिकारी पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रण में किया। बाद में लोहार्गल में भारी पुलिस जाप्ता तैनात कर दिया गया, लेकिन इस घटना के बाद कांवड़ियों में जबर्दस्त आक्रोश फैल गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया में भी वायरल हो गया। इससे अन्य शिव भक्तों भी नाराज हो गए।

यह है पूरा मामला

हिंदू मान्याताओं के मुताबिक महाभारत कालीन समय से ही आस्था के केंद्र रहे इस धाम पर पांडवों के लोहे के अस्त्र-शस्त्र भी गल गए थे, इसलिए इस स्थान को लोहार्गल कहा जाता है। ऐसे में यह कांवड़ियों के लिए बड़ी श्रद्धा का स्थान है। बताया जा रहा है कि रविवार रात में स्नान करने के लिए कांवड़ियों की भीड़ उमड़ पड़ी। बेकाबू पुरुषों की भीड़ जनाना कुंड तक पहुंच गई, जिसके चलते महिलाएं स्नान नहीं कर पा रही थीं। इस दौरान बार-बार यह अनाउंस भी किया गया कि यह स्थान महिलाओं के स्नान के लिए है, लेकिन इसके बावजूद कांवड़िया नहीं माने। ऐसे में पुलिस की ओर से हल्का बल प्रयोग किया गया और कांवड़ियों को वहां से निकाला गया

सांभरलेक में पुलिस और कांवड़ियों में हुआ विवाद

यह विवाद शांत होने के बाद रविवार को सुबह सांभरलेक में एक पुलिसकर्मी ने एक कांवड़िये के साथ मारपीट कर दी। पुलिस की मारपीट के बाद कांवड़िये भड़क गए और सांभर थाने के बाहर एकत्र होकर प्रदर्शन करने लगे। यह विवाद डीजे बजाने को लेकर हुआ बताया जा रहा है। कांवड़िये सांभर के देवयानी सरोवर से जल ले जा रहे थे। उसी दौरान वहां यह वाकया हो गया। बाद में एसपी ने मारपीट करने वाले पुलिसकर्मी को सस्पेंड कर दिया। उन्होंने कहा कि घटना की पूरी जांच करवाई जाएगी. बीजेपी के पूर्व विधायक निर्मल कुमावत ने कहा कि वे मुख्यमंत्री से इसकी शिकायत करेंगे।

दो अलग-अलग हादसों में गई सात मासूम की जान

अलवर और डीडवाना में जोहड़ तालाब में डूबे सात बच्चे, मौत

बेधड़क । जयपुर

प्रदेश एक ही दिन में दो अलग-अलग हादसों में सात मासूम बच्चे तालाब और जोहड़ में डूब गए। इन हादसों में सभी सातों बच्चों की मौत हो गई। मासूम बच्चों की मौत से उनके परिजनों में कोहराम मच गया। ये दोनों हादसे अलवर जिले मांदला गांव और डीडवाना जिले के केराप गांव में हुए। दोनों घटनाओं के बाद ग्रामीण पीड़ित परिवारों को ढांढस बंधाने में जुटे हैं, लेकिन उनकी सिसकियां थमने का नाम नहीं ले रही है।

जानकारी के अनुसार पहला हादसा अलवर जिले के रामगढ़ थाना इलाके के मांदला गांव में हुआ। वहां तीन बच्चे गांव के पास ही बने जोहड़ में भैंसों को चराने के लिए गए थे। वे वहां पानी से भरे जोहड़ को देखकर उसमें नहाने से खुद को रोक नहीं सके और उसमें उतर गए।

जोहड़ में नहाते वक्त तीनों उसके दलदल में फंस गए और बाहर नहीं निकल पाए। इससे तीनों बच्चों की मौत हो गई। इन तीनों बच्चों के साथ गांव का एक और बच्चा था, वह वहां पर खेल रहा था। उसने तीनों बच्चों को डूबते हुए देखा तो गांव जाकर इसकी सूचना दी। इस पर ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक तीनों बच्चों की मौत हो गई थी। घटना के बाद पूरे गांव में मातम छा गया। घटना की सूचना रामगढ़ पुलिस को मिली तो डीएसपी ओमप्रकाश बिश्नोई, एडिशनल एसपी तेजपाल सिंह और थानाधिकारी सवाई सिंह वहां पहुंचे। बच्चों के परिजनों उनके शवों का पोस्टमार्टम करवाने से मना कर दिया। अलवर एडिशनल एसपी तेजपाल सिंह ने बताया कि हादसे के शिकार हुए बच्चों में एहसान (8), इंग्लिशा (10) और साबिर (7) शामिल है।

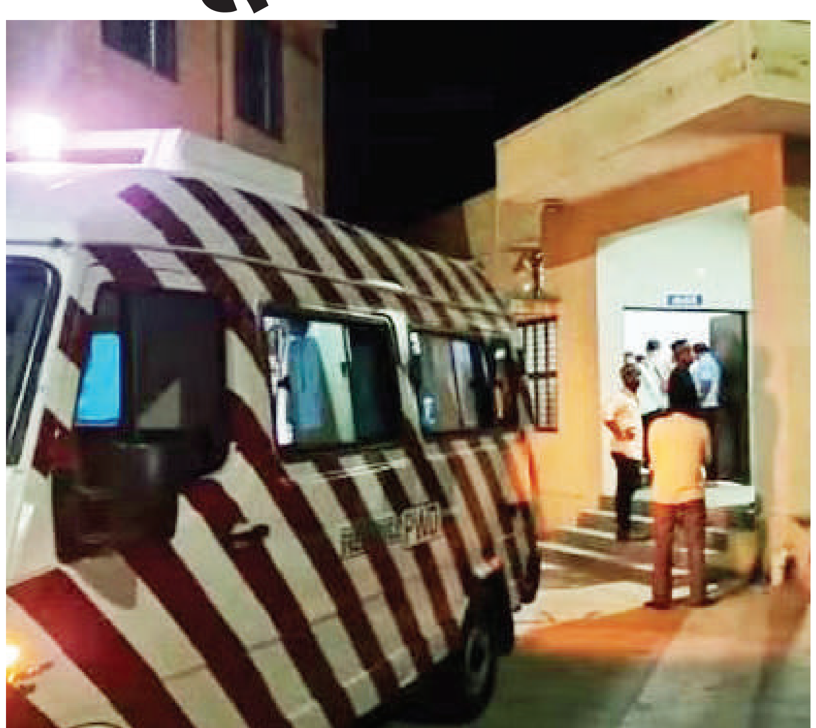

गलवा नदी में बहे तीन युवक, दो को बचाया

सवाईमाधोपुर । चौथ का बरवाड़ा तहसील क्षेत्र में गलवा नदी की रपट पार करते हुए सोमवार को तीन युवक बह गए। इनमें से आसपास के लोगों की सहायता से दो लोगों को बचा लिया गया, लेकिन पानी ज्यादा होने के कारण एक युवक का अभी तक पता नहीं लग पाया है। मौके पर ग्रामीणों के साथ प्रशासन की ओर से नदी में बहे युवक की लगातार तलाश की जा रही है। जगमोदा गांव के आशाराम मीणा ने बताया कि सोमवार दोपहर करीब साढे बारह बजे वह नदी के पास अपने साथियों के साथ नहा रहा था। चौथ का बरवाड़ा के कपिल वर्मा, अभिषेक वर्मा एवं राहुल वर्मा तीनों रपट के ऊपर से गुजर रहे थे। इसी दौरान तीनों रपट कर नदी में चले गए। आशाराम ने बताया कि उसने, उसके साथियों ने तेज बहाव में उतर कर कपिल एवं अभिषेक को बचा लिया, लेकिन राहुल पुत्र भागचंद वर्मा निवासी चौथ का बरवाड़ा तेज बहाव में बह गया।

तैरना नहीं जानते थे फिर भी तालाब में उतरे

डीडवाना। जिले के केराप गांव में चार बच्चों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। चारों ही बच्चे रविवार की छुट्टी के दौरान तालाब के पास खेलने गए थे। इस दौरान वे नहाने के लिए तालाब में उतर गए, लेकिन तैरना नहीं जानते थे, ऐसे में चारों ही तालाब में डूब गए।

एक साथ चार बच्चों की मौत के बाद गांव में शोक की लहर व्याप्त हो गई, वहीं सूचना पर पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंची और सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान नागौर से एसडीआरएफ की टीम भी बुलाई गई, जिसने रात करीब एक बजे दो बच्चों के शवों को ढूंढ निकाला। इसके दो घंटे बाद दो अन्य बच्चों के शव भी पानी से निकाल लिए गए हैं, जिन्हें देर रात को ही डीडवाना के राजकीय बांगड़ जिला अस्पताल लाया गया, जहां चिकत्सकों ने चारों बच्चों को मृत घोषित कर दिया। एसडीएम विकास मोहन भाटी ने बताया कि केराप गांव में रविवार की छुट्टी होने की वजह से चारों बच्चे गांव के तालाब किनारे खेलने गए थे। चारों बच्चे जब शाम तक घर नहीं लौटे तो चारों के परिजनों की चिंता बढ़ गई और उन्होंने आसपास बच्चों की तलाश की। बाद में परिजनों को जानकारी मिली कि बच्चे तालाब किनारे खेलने गए थे, तब परिजन और ग्रामीण रात को तालाब किनारे पहुंचे तो वहां चारों बच्चो के चप्पल तालाब के किनारे पड़े मिले, लेकिन बच्चे नजर नहीं आए।

विशाल ढाका, शिवराज लुहार, भूपेश लुहार

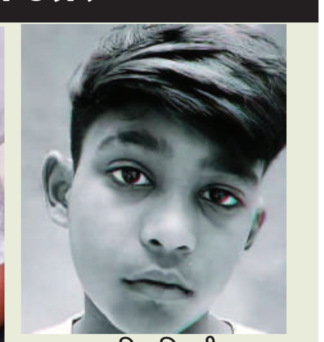

साहिल मिरासी

कलेक्टर के निर्देश पर मौके पर पहुंची SDRF की टीम

बच्चों के परिजनों ने घटना की जानकारी गांव के सरपंच सुशील कुमार रोलण को दी। सरपंच ने जिला कलेक्टर बाल मुकुंद असावा को घटना की जानकारी दी। जिला कलेक्टर ने एसडीआरएफ की टीम के साथ तहसीलदार और एएसपी हिमांशु शर्मा को मौके पर भेजा। देर रात तालाब में एसडीआरएफ की टीम और गोताखोर ने सर्च ऑपरेशन चलाया तो चारों बच्चों के शव तालाब में गहरे दलदल में फंसे हुए मिले। चारों बच्चों की शिनाख्त केराप गांव के भूपेश लुहार, शिवराज लुहार, साहिल मिरासी और विशाल जाट के रूप में हुई है।

चेयरमैन अमृता मीना ने यूडीएच मंत्री को समस्याओं से कराया अवगत

टोडाभीम नगरपालिका में 8 माह से ईओ नहीं

बेधड़क | टोडाभीम

नगरपालिका क्षेत्र में सफाई कर्मियों के हड़ताल पर जाने से कस्बे में पिछले कई दिनों से सफाई नहीं हो रही है। वाल्मीकि समाज के लोग सफाई कर्मी भर्ती के मुद्दे पर पिछले कई दिनों से राज्य व्यापी हड़ताल है। इसका असर अब पालिका क्षेत्र में दिखने लगा है। पालिका बोर्ड की चेयरमैन अमृता मीना ने बताया कि नगरपालिका में पिछले लगभग 8 माह से अधिशासी अधिकारी नहीं होने से पालिका के कार्य बाधित हो रहे हैं।

चेयरमैन का कहना है कि उनके बार-बार कहने के बावजूद कर्मचारी जन शिकायतों का समय पर समाधान नहीं करते हैं। इससे उन्हें अपने आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में स्वायत्त शासन एवं नगरीय विकास विभाग मंत्री झाबरमल खर्रा और विभाग निदेशक को नगर पालिका की सारी समस्याओं से अवगत कराया जा चुका है, इसके बावजूद अभी तक किसी सक्षम अधिकारी की नियुक्ति नहीं की गई है।

पालिका चेयरमैन ने बताया कि नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी का पिछले 5 माह से अतिरिक्त कार्यभार टोडाभीम उपखंड अधिकारी देख रही हैं, लेकिन नगरपालिका के प्रशासनिक एवं विकास कार्यों और जन-शिकायतों पर उनका कोई ध्यान नहीं है। उन्होंने आज तक पालिका की समस्याओं पर चर्चा करना उचित नहीं समझा। वे पत्रों के माध्यम से जारी निर्देशों पर न अमल करती है और न कोई जवाब देती है।

महिला ने बेटी-बेटे के साथ की आत्महत्या

गृहक्लेश ने लील ली तीन जिंदगियां

बेधड़क | भीलवाड़ा

जिले के सुभाषनगर थाना क्षेत्र के सालरा गांव में सोमवार को पति के साथ विवाद के चलते पत्नी ने अपने मासूम बेटे व बेटी के साथ आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही सुभाषनगर थाना प्रभारी शिवराज गुर्जर मौके पर पहुंचे और तीनों मृतकों के शव को कब्जे मे लेकर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

थाना प्रभारी ने बताया कि थाना क्षेत्र के सालरा गांव निवासी 30 वर्षीय राजू देवी गाडरी और उसके पति उदयलाल गाडरी के बीच पारिवारिक कलह चल रहा था। उन्होंने बताया कि दोनों में किसी बात को लेकर कहासुनी हुई। इसके बाद महिला अपनी सात वर्षीय बेटी राधिका और 9 माह के बेटे हिमांशु को लेकर घर से बिना बताए चली गई। महिला ने घर से आधा किलोमीटर दूर अपने ही खेत पर मासूम बेटे और बेटी के साथ जान दे दी।

पुलिस ने तीनों मृतकों के शव को भीलवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया, जहां मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। पुलिस ने महिला के पीहर पक्ष की रिपोर्ट के आधार पर नए कानून के तहत आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का मामला दर्ज किया है।

प्रशासन ने आसपास के घरों को कराया खाली

LPG से भरे टैंकर में लीकेज, तीन घंटे बाद किया गया काबू

बेधड़क | सिरोही

जिले में कांडला हाईवे पर मंडार टोल नाका से 500 मीटर दूरी पर सोमवार को कांडला से जिंद जा रहा एलपीजी से भरा एचपी गैस के टैंकर में लीकेज हो गया। ड्राइवर ने टैंकर को सड़क किनारे पर रोका और प्रशासन को सूचना दी गई। मौके पर एसडीएम सुबोध सिंह चारण, वृत्त अधिकारी रूपसिंह इंदा, तहसीलदार स्नेहदीप सांदु, मंडार एसएचओ रविंद्रपाल सिंह समेत पुलिस जाप्ता पहुंचा। पुलिस ने कांडला हाईवे पर दोनों तरफ से यातायात रोका और एचपीसीएल बॉटलिंग प्लांट पिंडवाड़ा और गेल इंडिया आबूरोड की टीमों को मौके पर बुलाया गया। मंडार थानाधिकारी रविंद्र सिंह राजपुरोहित ने बताया कि टैंकर के लीकेज होने की सूचना मिलने पर पुलिस जाप्ता मौके पर भेजा गया, जहां यातायात को रोक कर डाइवर्ट किया गया। मौके पर दमकल वाहनों को बुलाया गया। साथ ही तकनीकी कर्मचारियों को बुलाकर लीकेज बंद कराया गया, जिसके बाद राहत की सांस ली।

प्रशासन को करनी पड़ी कड़ी मशक्कत

टैंकर से गैस लीकेज होने के चलते प्रशासन ने आस पास के 500 मीटर दायरे में होटल ढाबों सहित खेत व घरों को खाली करवाया। साथ ही प्रचार के माध्यम से लोगों को आग नहीं जलाने की अपील की गई। करीब 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद लीकेज पर काबू पाया गया और उसके बाद हाईवे पर यातायात सुचारु किया गया।

कोचिंग एरिया में लीकेज हुई सीएनजी गैस, मची अफरा-तफरी

कोटा। शहर के कोरल पार्क एरिया में सीएनजी फिलिंग ट्रक से गैस लीकेज का मामला सामने आया है। इसके चलते अफरा-तफरी मच गई। अचानक गैस लीकेज की तेज आवाज होने से आसपास खड़े लोग भाग गए। इससे आग लगने का खतरा भी बना हुआ था। दूसरी तरफ पास में ही कोचिंग संस्थान और हॉस्टल भी हैं। ऐसे में यहां पर रह रहे बच्चे भी सकते में आ गए, वहीं टोरेंट कंपनी के मैनेजर ने कहा कि सीएनजी सप्लाई व्हीकल में भरी जा रही थी, इसी दौरान हल्की-फुल्की लीक हो गई थी, जिसे दुरुस्त कर दिया गया।

भाभी ने चचेरे देवर को उतारा मौत के घाट

डूंगरपुर। धंबोला थाना क्षेत्र के राजपुर गांव में एक महिला ने अपने ही चचेरे देवर की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी। घर पर अकेली भाभी ने झगड़ा होने पर कुल्हाड़ी से देवर के सिर पर वार किया, जिससे देवर घर में ही लहूलुहान होकर ढेर हो गया। घटना के बाद धंबोला थाना पुलिस मौके पर पहुंची, वहीं घटना के बाद से महिला और उसका परिवार फरार है। धंबोला थाना क्षेत्र के राजपुर स्कूल फला में घटना हुई। चंदूलाल पुत्र कालूजी ननोमा ने रिपोर्ट में बताया कि रविवार को वह मजदूरी करने डूंगरपुर गया था। शाम के समय बहू बसंती ने फोन कर बताया कि उसके जेठजी मणिलाल को जेठानी लक्ष्मी ने कुल्हाड़ी से मार कर लहूलुहान दिया।

पेरिस ओलंपिक में मुकाबले जारी, चौथे दिन भारत को आज अपने एथलीटों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

बैडमिंटन: मेंस डबल्स क्वार्टर फाइनल में पहुंचा भारत

सात्विक-चिराग की जोड़ी ने बैडमिंटन में रचा इतिहास

बेधड़क | पेरिस (फ्रांस)

सात्विक साईराज और चिराग शेट्टी की जोड़ी पेरिस ओलंपिक 2024 में बहुत ही अच्छा प्रदर्शन किया है। इन दोनों से ही भारतवासियों को मेडल की उम्मीद है। इन दोनों ने ही अपना पहला मुकाबला जीता। फिर उनका मैच जर्मनी के मार्क लैम्सफस और मार्विन सेडेल था।

लैम्सफफस की चोट के कारण जर्मनी की जोड़ी पीछे हट गई। इसके बाद मैच रद्द कर दिया गया। सात्विक साईराज और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने 40वीं रैंकिंग वाले लुकास कोरवी और फ्रांस के रोनन लाबार के खिलाफ जीत दर्ज की थी। इसके बाद कोरवी और लाबार की जोड़ी को इंडोनेशिया के मुहम्मद रियान अर्दियांतो और फजर अल्फियान ने हराया है। इंडोनेशिया की जोड़ी के आगे फ्रांस की डबल्स जोड़ी टिक नहीं पाई और मुकाबला हार गई। इससे दो हार के बाद फ्रांस की जोड़ी बाहर हो गई है और चिराग-सात्विक को क्वार्टर फाइनल में जगह मिल गई है।

इंडोनेशिया की जोड़ी से होगा अगला मुकाबला

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार बैडमिंटन जोड़ी ओलंपिक खेलों के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाली पहली भारतीय डबल्स जोड़ी बन गई। सात्विक और चिराग का ग्रुप में अभी एक मैच बचा हुआ है। जो वह इंडोनेशिया के मुहम्मद रियान अर्दियांतो और फजर अल्फियान की जोड़ी से होगा। इस मैच में जीत दर्ज करके सात्विक और चिराग क्वार्टर फाइनल की बढ़िया तैयारी करना चाहेंगे।

10 मीटर एयर राइफल में व्यक्तिगत स्पर्धा में चौथे स्थान पर

शूटर अर्जुन बबूता पदक से चूके

दूसरे आखिरी शॉट में 10.1 अंक बनाए

बेधड़क | दिल्ली

पेरिस ओलंपिक में भारत के युवा निशानेबाज अर्जुन बाबूता चौथे स्थान पर देश के लिए दूसरा मेडल लाने से काफी करीब से चूक गए। सोमवार को पुरुषों के 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में चंडीगढ़ के इस 25 वर्षीय निशानेबाज ने 208.4 का स्कोर किया। इससे पहले 28 जुलाई को मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल में भारत को कांस्य पदक दिलाया था।

फाइनल के दौरान बबूता पूरे समय पदक की दौड़ में बने रहे। लेकिन, अपने दूसरे आखिरी शॉट में वह केवल 10.1 अंक ही बना सके, जिससे वह तीसरे स्थान से खिसककर चौथे नंबर पर आ गए। उनके आखिरी शॉट में सिर्फ

9.5 अंक आने से उनका पदक जीतने का सपना टूट गया। बाबूता ओलंपिक इतिहास में चौथे स्थान पर रहे तीसरे भारतीय निशानेबाज हैं। उनसे पहले जॉयदीप कर्माकर लंदन ओलंपिक (2012) में चौथे स्थान पर रहे थे। बीजिंग ओलंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट अभिनव बिंद्रा रियो 2016 में चौथे स्थान पर रहे थे। यह एक ऐसा स्थान है जिस पर कोई एथलीट रहना पसंद नहीं करता। अर्जुन ने एशियाई चैंपियनशिप, कोरिया (2023) में 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक हासिल करते हुए, देश के लिए ओलंपिक 2024 कोटा हासिल किया था।

अर्जुन ने विश्व चैंपियनशिप, काहिरा (2022) में 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने आईएसएसएफ विश्व कप, चांगवोन (2022) में व्यक्तिगत और पुरुष टीम स्पर्धाओं में 2 स्वर्ण पदक जीते थे। उन्होंने वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में भी 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था।

भारत के लक्ष्य सेन ने बेल्जियम को हराया

पेरिस। पेरिस ओलंपिक 2024 के तीसरे दिन भारत के बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन बैडमिंटन मेंस सिंगल के ग्रुप स्टेज मुकाबले में बेल्जियम के जूलियन कैरैगी के साथ खेलते हुए नजर आए। लक्ष्य सेन ने अपने दूसरे मैच में बेल्जिमय के कैरैगी जुलियन का सीधे सेटों में 2-0 से हरा दिया। उन्होंने 21-19 , 21-14 के स्कोर के साथ अपने विरोधी को हराया। इस मैच के पहले सेट में लक्ष्य और जूलियन के बीच कांटे की टक्कर देखी गई। दोनों ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए मैच के लगभग बराबरी के प्वाइंट्स के साथ आगे बढ़ाया। लेकिन अंत में लक्ष्य सेन ने बाजी मारी और उन्होंने पहला सेट 21-19 से जीत लिया। बेल्जियम के जूलियन इस सेट में लक्ष्य को तगड़ी टक्कर दी।

दूसरे सेट में जीत लक्ष्य ने मारी बाजी

लक्ष्य सेन दूसरे सेट में एक बार फिर से शानदार शुरुआत की और उन्होंने विरोधी खिलाड़ी की कमजोरी का इस्तेमाल करते हुए दबदबा बनाए रखा, उन्होंने मैच के दूसरे सेट के मिड ब्रेक तक स्कोर 11-5 तक कर दिया। इसके बाद लक्ष्य सेन ने जूलियन पर और दबाव डालते हुए दूसरे सेट को भी 21-14 से अपने नाम कर लिया।

टेनिस में बोपन्ना-बालाजी बाहर

पेरिस। पेरिस ओलंपिक में भारत के टेनिस में पदक के सपने सोमवार रात में टूट गए। रोहन बोपन्ना तथा एन श्रीराम बालाजी की पुरुष युगल टीम को फ्रांस के हाथों अपने शुरुआती मैच में हार का सामना करना पड़ा। उनकी इस हार के साथ ही पेरिस ओलंपिक में टेनिस में भारत का अभियान समाप्त हो गया है।

पुरुषों के डबल्स में, रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम बालाजी का सामना एडौर्ड रोजर-वेसलिन और गेल मोनफिल्स से हुआ। जहां फ्रांसीसी जोड़ी ने भारत के खिलाफ 5-7, 2-6 से जीत दर्ज की। इस जोड़ी को भारतीय दिग्गजों को हराने में सिर्फ 16 मिनट लगे। मोनफिल्स ने इस मैच में दिखाया कि वह फ्रांसीसी टेनिस के दिग्गजों में से एक क्यों हैं, ग्रैंड स्लैम इतिहास में किसी फ्रांसीसी द्वारा जीते गए सबसे ज्यादा मैचों का रिकॉर्ड मोनफिल्स के नाम है। भारतीय टीम रोजर-वेसलिन ने मैच एक गलती के साथ मुकाबला समाप्त कर दिया। नागल और युगल जोड़ी के प्रयासों के बावजूद, टेनिस में भारत की ओलंपिक गौरव की खोज शुरुआती दौर में ही समाप्त हो गई।

Yuva स्टोरीज

प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी विद्यावचस्पति डिलीट की मानद उपाधि से सम्मानित

जयपुर। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी को जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के छठे दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति राज्यपाल कलराज मिश्र एवं जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो रामसेवक दुबे ने विद्यावाचस्पति डी लिट की मानद उपाधि से सम्मानित किया। गौरतलब है की प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी पूर्व में कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय रामटेक महाराष्ट्र के कुलपति, कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय बेंगलोर के कुलपति गोंडवाना विश्वविद्यालय गढ़चिरौली के कुलपति के पद पर कार्य कर चुके हैं । प्रो. वरखेड़ी को विद्यावाचस्पति डी लिट की मानद उपाधि से सम्मानित करने पर अनेक संस्कृत अनुरागियो ने उन्हें बधाई दी। सालासर बालाजी मंदिर के पुजारी डॉ अजय पुजारी ने सालासर बालाजी की तस्वीर और दुप्पटा पहनाकर स्वागत किया।

सुबोध कॉलेज में फैकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन

जयपुर। एसएस जैन सुबोध पीजी महिला महाविद्यालय रामबाग में आईसीटी अकादमी और टूओपल के संयुक्त तत्वावधान मे तीन दिवसीय फैकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम मेंटरिंग प्रोजेक्ट्स फॉर इम्पैक्ट का शुभारम्भ हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ओद्योगिक और शैक्षणिक क्षेत्र की मूलभूत एवं भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए मेंटरिंग तकनीकों और रणनीतियों की खोज, परंपरागत तकनीकों का सामयिक विकास करना था। कार्यक्रम में प्रशिक्षक के रूप में टीओ ओ पी ल ई के साईराम वेपाकोम्मा ने मेंटरिंग और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सत्र को रोचक एवं सरलता से आगे बढ़ाया तथा नवीनतम प्रवृतियों से अवगत कराया। इससे पूर्व महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. रेणु जोशी ने अतिथि स्वागत के साथ इस विषय पर नवीनतम शोध एवं विवेक पूर्ण क्रियानव्यान पर अपने विचार रखे। उप प्राचार्या डॉ. इंदु शर्मा एवं कार्यक्रम संयोजिका डॉ. स्वाति जैन ने इस विषय की महत्वता को रेखांकित करते हुए परंपरागत संप्रत्ययों को पुन परिभाषित करने की आवश्यकता बताई। महाविद्यालय की फैकल्टी के साथ अन्य की सक्रिय भागीदारी रही।

बीकानेर में पशु विज्ञान विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह

शोध के साथ प्रसंस्करण व कौशल विकास से जुड़ना प्रारंभ करें छात्र : राज्यपाल

बेधड़क | बीकानेर

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा जैविक पशुपालन, शोध और अनुसंधान के साथ प्रसंस्करण व उद्यमिता में कौशल विकास से जुड़े कार्य प्रारम्भ किए जाएं। राज्यपाल मिश्र सोमवार को बीकानेर के पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित विश्वविद्यालय के सातवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने समारोह के दौरान 538 छात्र-छात्राओं को स्नातक, 106 को स्नातकोत्तर एवं 21 को विद्यावाचस्पति की उपाधियां प्रदान की। इसी तरह 29 विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के फलस्वरूप विभिन्न पदक प्रदान किए गए।

राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने विद्यार्थियों को दी गई उपाधियां डीजी लॉकर पर अपलोड की। राज्यपाल ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या, घटती कृषि जोत, पानी तथा अन्य प्राकृतिक संसाधनों की कमी मनुष्य के लिए एक बड़ी चुनौती है। ऐसे में पशुधन और पशु उत्पाद ही पोषण सुरक्षा की दृष्टि से वरदान साबित हो सकते हैं। इसके लिए खाद्य और दुग्ध उद्योग में छोटे और मध्यम उद्यमों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

कृषि, पशुपालन हमारी संस्कृति

उन्होंने कहा कि कृषि एवं पशुपालन की हमारी संस्कृति रही है। यह खेतीबाड़ी और आय अर्जन के साथ पोषण सुरक्षा का भी माध्यम है। मिश्र ने आह्वान किया कि नवीन प्रौद्योगिकी के माध्यम से पशु-सम्पदा रोग निदान और उपचार के साथ साथ उनकी उत्पादक क्षमता बढ़ाने के प्रयास करने होंगे।

नवनिर्मित कार्यों का लोकार्पण

इस दौरान राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रकाशनों का विमोचन किया। इससे पूर्व राज्यपाल मिश्र ने संविधान की प्रस्तावना का वाचन करवाया तथा संविधान के मूल कर्तव्यों का पठन किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने जोधपुर के नवीन पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय के प्रशासनिक एवं अकादमिक भवन, शालिहोत्रा भवन, स्वामी विवेकानंद छात्रावास, बीकानेर प्रांगण में भगिनी निवेदिता छात्रावास व शालिहोत्र अति-विशिष्ठ अतिथि गृह आदि कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया।

बेटियों ने किया नाम रोशन

राज्यपाल मिश्र ने पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को दीक्षांत समारोह की बधाई दी और कहा कि विश्वविद्यालय में छात्रों के साथ बेटियों ने अधिक बेहतर परिणाम देकर पशुचिकित्सा के क्षेत्र में भी स्वयं को साबित किया है। ये परिणाम प्रतिस्थापित करते हैं कि जिस समाज में बेटियों को आगे बढ़ने के अधिक अवसर मिले हैं। वह तेजी से विकास की राहों पर अग्रसर होता है।

विद्यार्थी लगाए पेड़

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के पारम्परिक पशुचिकित्सा, पशु चारा संसाधन, जैविक उत्पादन, जैव विविधता संरक्षण विद्यार्थियों की उपाधियां को डिजीलॉकर पर उपलब्ध करवाने पर जोर दिया।

बॉल बैडमिंटन की प्रतियोगिता में टोंक विजेता

बेधड़क | कुचामनसिटी

बॉल बैडमिंटन खेल की तृतीय यूथ राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का समापन डीडवाना कुचामन जिले के कुचामन सिटी में हुआ। विजेता टीमों को ट्रॉफी और प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रही टीमों को मेडल दिए गए. मुख्य अतिथि शेखर कड़वा ने कहा कि खेलों में राज्य सरकार की ओर से विभिन्न खेलों को जोड़ने व पढ़ाई के साथ खेल की भी आवश्यकता है।

कार्यशाला | शोध पत्र लिखने की कला पर एक दिवसीय कार्यशाला

विकसित भारत के लिए प्रत्येक भारतीय का योगदान आवश्यक

बेधड़क | जयपुर

भारतीय शिक्षण मंडल, युवा गतिविधि, जयपुर प्रान्त, एवं एसएमएस मेडिकल कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को शोध पत्र लिखने की कला विषय पर एक दिवसीय आनंदशाला एवं चिकित्सा विज्ञान, शिक्षा और अनुसंधान की महत्वपूर्ण भूमिका : विजन फॉर विकसित भारत" विषय पर एक दिवसीय सेमिनार एवं "विजन फॉर विकसित भारत शोधपत्र लेखन प्रतियोगिता के पोस्टर विमोचन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रांत मंत्री प्रो. गजेंद्र पाल सिंह ने बताया कि भारतीय शिक्षण मंडल, शिक्षा में पुनः भारतीयता प्रतिष्ठित करने में कार्यरत एक

अखिल भारतीय संगठन है। शिक्षा नीति, पाठ्यक्रम एवं पद्धत्ति तीनों भारतीय मूल्यों पर आधारित, भारत केन्द्रित तथा भारत हित की हो, इस दृष्टि से संगठन वैचारिक, शैक्षिक और व्यावहारिक गतिविधियों का नियमित आयोजन करता है। कार्यक्रम की प्रस्तावना डॉ. मुकेश शर्मा रखते हुए बताया कि इस अमृतकाल में राष्ट्र निर्माण के हर क्षेत्र में अपना अनमोल योगदान देने के लिए युवाओं को शोध पत्र लिखने के लिए सक्षम बनाना और प्रेरित करना सेमिनार का मुख्य उदेश्य है।

विशिष्ठ अतिथि डॉ. विश्व मोहन कटोंच, पूर्व महानिदेशक, आइ सी एम आर, दिल्ली ने युवाओं को शोध पत्र लिखने और अपने सुझाव देने के लिए आगे आने को कहा। भारतीय शिक्षण मण्डल के राष्ट्रीय संरक्षक मोहन लाल छीपा ने बताया कि प्राचीन विज्ञान का आधुनिक विज्ञान के साथ समावेश कर शोध कार्य करना चाहिए। जिससे भारत को आत्मनिर्भर एवं विकसित बनाया जा सके। मुख्य अतिथि राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर की वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉ. अल्पना कटेजा ने कहा कि विकसित भारत के लिए प्रत्येक भारतीय का योगदान आवश्यक है। उन्होंने शिक्षा में भारतीयकरण पर जोर दिया एवं भारतीय सांस्कृतिक गौरव पर विस्तृत चर्चा की।

भारतीय शिक्षा और शोध भारत केंद्रित हो

मुख्य वक्ता हरियाणा सरकार में उच्च शिक्षा विभाग के ओएसडी प्रोफेसर राजेन्द्र कुमार अनायत ने कहा कि भारतीय शिक्षा और शोध भारत केंद्रित हो तभी भारत आत्मनिर्भर बन पाएगा। उन्होंने कहा कि यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि शिक्षा पर वैदिक घोषणा इस बात पर ध्यान केंद्रित कर रही है कि हर इंसान को आत्मनिर्भर कैसे बनाया जाए, जबकि उपनिषद इस बात पर ध्यान केंद्रित करता है कि प्रत्येक शिष्य को मोक्ष (आत्मसाक्षात्कारम्) प्राप्त करने में कैसे मदद की जाए। दोनों विचारधाराएं छात्र के स्तर, अनुशासन और अध्ययन के लिए चुने गए विषयों की परवाह किए बिना इन परिभाषित उद्देश्यों को प्राप्त करती हैं। आयोजन सचिव डॉ. भारती मल्होत्रा, अतिरिक्त प्राचार्य, एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर ने सभी मुख्य वक्ताओं का उपस्थित गणमान्य जनों एवं सेमीनार में पूरे देश भर से आए हुए प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नीलम पुनार ने किया ।

देवतुल्य हैं हमारी संस्कृति के संरक्षक वृक्ष!

अशोक 'प्रवृद्ध'
स्वतंत्र टिप्पणीकार

> छत्तीसगढ़ के रतनपुर क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में आम के वृक्ष से आम तोड़ने से पहले उसके विवाह की विधि संपन्न की जाती है। पीपल, बरगद को ब्रह्म स्वरूप माना जाता है। उन्हें काटना ब्रह्म हत्या के समान माना जाता है। पक्षियों के घोंसले वाले वृक्ष तथा देवालय और श्मशान की भूमि पर लगे बड़, पीपल, बहेड़ा, हरड़, नीम, पलाश आदि वृक्ष को काटना शास्त्रानुकूल नहीं है। महुआ वृक्ष को काटना पाप का भागी बनना है।

आदि सृष्टि काल से पौधे, वृक्ष व वन मनुष्य के जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी रहे हैं। पौधे और वन का का उपयोग मनुष्य अपने आदि रचना काल से ही करता रहा है। हमारे आरंभिक पूर्वजों को भी वृक्षों और वनों की महता, उपयोगिता व आवश्यकता की अनुभूति थी। उन्हें यह मालूम था कि प्राकृतिक स्रोतों का मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्व है। इन्हें कोई हानि पहुंचने पर मानव समाज का ही अहित होगा। इसलिए उन्होंने मानव धर्म में इन्हें सम्मिलित कर इनके संरक्षण, संवर्द्धन पर बल दिया। इनका ही परिणाम है कि भारतीय परिवारों में पौधे उनके जीवन के आवश्यक अंग के रूप में स्वीकार किए गए। पीपल, वट (बड़ या बरगद), अशोक, आम, तुलसी, कदम्ब, बेल (बिल्व), पलाश, आक, केला, आंवला, हरसिंगर, कमल, कैथ, इमली, अनार, गुगल, नीम, बहेड़ा, हरैया, करंज, जामुन आदि अनेक वृक्षों को महत्वपूर्ण देवता मानकर उनकी पूजन परंपरा चल पड़ी। उनको पूजन सामग्री के रूप में भी प्रयुक्त किया गया। उनके औषधीय गुणों को परखकर अनेक पौधों को औषधीय पादपों के रूप में रोगों के उपचार के कार्य में लिया जाने लगा। इनमें औषधीय गुणों के साथ-साथ पर्यावरण को भी स्वच्छ व ठीक रखने की अपार क्षमता है। ये अनेक प्रकार के दोषों का भी निवारण करते हैं। मनुष्य के दैनिक जीवन में इनकी अत्यधिक उपयोगिता भी है।

भारतीय संस्कृति में वृक्ष, पेड़, पौधों को विशिष्ट महत्ता प्रदान की गई है। मान्यता है कि वृक्ष हमारी संस्कृति के संरक्षक हैं। इसीलिए वृक्षों, वनों, पौधों और पत्तों तक को देवतुल्य मानकर उनकी पूजा किए जाने की परंपरा है। देवालयों के परिसर में स्थित वृक्षों को भी देवता मानकर पूजा जाता है। संसार के प्राचीनतम ग्रंथ वेद में भी वृक्षों और वनों की महता, आवश्यकता का वृहत वर्णन करते हुए कहा गया है कि अनेक पौधे, वृक्ष तथा वन्य जीव मनुष्य-जीवन के लिए उपयोगी एवं महत्वपूर्ण हैं। ऋग्वेद में पौधों को लगाना एक नियमित कार्य बताया गया है, जिससे पृथ्वी पर स्वर्ग बनता है। भारतीय परंपरा में उपयोगी पौधों तथा वृक्षों के संरक्षण के लिए उनको देवी-देवताओं से भी संबंधित किया गया है। तुलसी को भगवान राम, शिव, विष्णु, कृष्ण, लक्ष्मी तथा जगन्नाथ से जोड़कर उसे महाऔषधि बताया गया। वत्ता को ब्रह्मा, विष्णु, महेश तथा काल के रूप में माना गया। अशोक वृक्ष को बुध, इंद्र, आदित्य और विष्णु के रूप में अभिहित किया गया। पीपल को विष्णु, लक्ष्मी, दुर्गा आदि के रूप में मानकर औषधि के रूप में उसको प्रयुक्त किया गया। आम को गोवर्धन, लक्ष्मी तथा बुध के रूप स्वीकार करके आम्रपल्लव को पूजा में रखने का प्रावधान और हवन में समिधा के रूप में इसका प्रयोग किया गया।

कदंब वृक्ष को कृष्ण से और बेल को शिव, महेश्वर, दुर्गा, सूर्य और लक्ष्मी से जोड़ा गया। इसे औषधि के रूप में भी प्रयुक्त किया गया। पौधों और वृक्षों की धार्मिक रूप से पवित्रता और उसकी उपयोगिता को देखकर उसके संरक्षण पर भी महत्व दिया गया। प्राचीन काल में हरे वृक्षों को काटना वर्जित था। तत्कालीन समाज को यह भली-भांति पत्ता था कि पौधों को काटना और वनों को नष्ट करना, मनुष्य के जीवन के लिए अत्यंत हानिकारक है, क्योंकि इनके अभाव में बीमारियां फैलती हैं और पर्यावरण प्रदूषित होता है। भारतीय संस्कृति में वट वृक्ष को विशेष महत्व प्राप्त है। इस वृक्ष को प्रकृति के सृजन का और चैतन्य सत्ता प्रतीक माना जाता है। भारतीय संस्कृति में वृक्ष व वनस्पति रूद्र के रूप में मानी गई है, क्योंकि वे वैषैली व हानिकारक हवा (गैस) पीकर प्राणवायु प्रदान करते हैं। इसलिए पेड़ पौधों को सींचना, उन्हें जल प्रदान करना साक्षात महादेव शिव अर्थात रुद्र का जलाभिषेक करने के समान माना गया है। प्राचीन ग्रंथों में एक वृक्ष को सौ पुत्र के समान कहा गया है। भारतीय संस्कृति में प्रकृति पूजन सृष्टि के प्रारंभ से ही चल रहा है। सदा सत्य पर आधारित सदा नूतन रहने वाले सनातन धर्म में प्रकृति और पुरुष दोनों की आराधना होती है। इसमें पांच तत्वों आकाश, जल, पावक, पृथ्वी (भूमि), वायु को भगवान स्वरूप माना जाता है, शिव तत्व माना जाता है और इनकी पूजा होती है। प्रत्येक जीव-जंतु प्राणी में ब्रह्म का दर्शन करने-कराने वाला धर्म है सनातन धर्म। वृक्षों, पेड़, पौधो, झाड़ियों (हर्ब-सर्ब) के गुण आदि का विशेष वर्णन आयुर्वेद ग्रंथों में है। प्राचीन भारतीय संस्कृति में वापी, पाली और जलाशयों का निर्माण कर वहां वृक्षारोपण करना किसी यज्ञ के पुण्य समान माना गया है। यहां हवन, यज्ञ आदि में समिधा का प्रयोग होता है, वह भी वृक्षों की देन है, जिसे पवित्र मानकर उपयोग किया जाता है। विष्णु पुराण के अनुसार एक सौ पुत्रों की प्राप्ति से भी बढ़कर एक वृक्ष लगाना और उसका पालन-पोषण करना है, इससे व्यक्ति पुण्य प्राप्ति करता है। चरक संहिता में प्राकृतिक औषधियों व जड़ी-बूटियों का चिकित्सकीय दृष्टि से उपयोग का वर्णन किया गया है। मत्स्य पुराण में दस पुत्रों, बावड़ियों, तालाबों एवं पुत्रों से बढ़कर एक वृक्ष को माना गया है। ब्रह्माण्ड पुराण में लक्ष्मी को कदम्ब वन वासिनी कहा गया है। कदम्ब के पुण्यों से भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। पद्म पुराण में भगवान विष्णु को पीपल वृक्ष, भगवान शंकर को वटवृक्ष और ब्रह्मा को पलाश वृक्ष के रूप में प्रतिपादित किया गया है। वृहदारण्यक उपनिषद में पुरुष को वृक्ष का स्वरूप माना गया है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

लघु परमाणु संयंत्रों से देश में होगा बिजली का उत्पादन

परमाणु ऊर्जा में आत्मनिर्भर होता देश

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ साहित्यकार
व पत्रकार

> भारत सरकार ने परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी कंपनियों से 26 अरब डॉलर का निवेश आमंत्रित किया है। यह पहल ऐसे स्रोतों से बिजली बनाने की मात्रा बढ़ाने की दिशा में उठाया गया कदम है, जो वायुमंडल में प्रदुशण और तापमान बढ़ाने वाले कार्बनडाड ऑक्साइड का उत्सर्जन नहीं करते हैं। यह पहली बार है जब परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में सरकार निजी कंपनियों से पूंजी निवेश की मांग कर रही है।

हाल ही संसद में पेश 2024-25 के आम बजट में लघु परमाणु संयंत्रों के लिए सरकार ने बड़े बजट का प्रावधान किया है। परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में यह नया प्रयोग है। पहली बार निजी कंपनियों को लघु परमाणु संयंत्र समूचे देश में स्थापित करने का अवसर दिया जाएगा। साथ ही मॉड्यूलर (प्रतिरूपक) रिएक्टर के आधुनिकीकरण के लिए शोध और विकास पर भी धनराशि खर्च की जाएगी। जिससे परमाणु ऊर्जा में नई प्रौद्योगिकी का विकास हो इसे पीपीपी मोडल पर क्रियांवित किया जाएगा। इसका उद्देश्य देश में स्वच्छ एवं वैकल्पिक बिजली को बढ़ावा देना है। साथ ही प्रधानमंत्री सूर्य घर निशुल्क बिजली योजना के तहत छतों पर जो सौर संयंत्र लगाए जा रहे हैं, इन पर भारत सरकार द्वारा दी जाने वाली छूट जारी रहेगी। अभी तक इस योजना के लाभ के लिए 1.28 करोड़ परिवार पंजीयन करा चुके हैं और 14 लाख आवेदन विचाराधीन हैं। इस योजना से 300 यूनिट बिजली मुफ्त मिलेगी। छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) उन्नत परमाणु संयंत्र माने जाते हैं। इनकी बिजली उत्पादन क्षमता 300 मेगावाट प्रति इकाई है, जो पारंपरिक परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की बिजली उत्पादन क्षमता की तुलना में एक तिहाई है।

ये संयंत्र न्यूनतम कार्बन बिजली का उत्पादन करते हैं। विकसित भारत के लिए ऊर्जा की उपलब्धता एक बड़ी जरूरत है। इसलिए सरकार सिर्फ पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भर नहीं रहना चाहती है। इसीलिए सौर और पवन ऊर्जा पर सरकार पहले ही काफी कुछ कर चुकी है। अतएव अब फोकस परमाणु ऊर्जा पर है। क्योंकि इसमें संभावनाएं अधिक है। आम बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ऊर्जा सुरक्षा को सरकार की नौ प्राथमिकताओं में गिनाया है। ऊर्जा बदलाव के संबंध में एक नीतिगत दस्तावेज तैयार करने की बात भी कही गई है। इससे यह तय होगा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में किस तरह से पारंपरिक ऊर्जा की जगह धीरे-धीरे अपारंपरिक ऊर्जा के स्रोत का महत्व बढ़ रहा है। यह दस्तावेज ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार, विकास और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों का भी समाधान खोजेगा। अतएव इसी परिप्रेक्ष्य में निकेल, कोबाल्ट, तांबा और लिथियम जैसी धातुओं के उत्पादों के आयात पर शुल्क घटाने का भी ऐलान किया है। इन उत्पादों का प्रयोग परमाणु और सौर ऊर्जा के साथ दूसरे ऊर्जा उत्सर्जन उपायों में भी होता है। आयात सस्ता होने से इनका निर्माण भारत में करने में आसानी होगी। यही नहीं परमाणु ऊर्जा, नवीनीकरण ऊर्जा और अंतरिक्ष एवं रक्षा क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाली 25 धातुओं पर सीमा शुल्क को पूरी तरह खत्म कर दिया है। हाल ही के वर्षों में कुछ देशों ने छोटे परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने में सफलता मिली है। इसी का अनुसरण भारत कर रहा है।

भारत में एक ओर अर्से से अटकी परमाणु बिजली परियोजनाओं में विद्युत का उत्पादन शुरू हो रहा है, वहीं निजी निवेश से परमाणु ऊर्जा बढ़ाने के प्रयास हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के सूरत जिले के तापी काकरापार में 22,500 करोड़ रुपए की लागत से बने 700-700 मेगावाट बिजली उत्पादन के दो परमाणु ऊर्जा संयंत्र 22 फरवरी 2024 को राष्ट्र को समर्पित कर दिए। ये देश के पहले स्वदेशी परमाणु ऊर्जा संयंत्र हैं। ये उन्नत सुरक्षा सुविधाओं से युक्त हैं। ये संयंत्र प्रतिवर्श लगभग 10.4 अरब यूनिट स्वच्छ बिजली का उत्पादन करेंगे। जो गुजरात में बिजली की आपूर्ति के साथ अन्य प्रांतों को भी बिजली देंगे। ये संयंत्र शून्य कार्बन उत्सर्जन की दिशा में आगे बढ़ने की दृष्टि से मील का पत्थर साबित होंगे। दूसरी तरफ भारत सरकार ने परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी कंपनियों से 26 अरब डॉलर का निवेश आमंत्रित किया है। यह पहल ऐसे स्रोतों से बिजली बनाने की मात्रा बढ़ाने की दिशा में उठाया गया कदम है, जो वायुमंडल में प्रदुशण और तापमान बढ़ाने वाले कार्बनडाड ऑक्साइड का उत्सर्जन नहीं करते हैं। यह पहली बार है जब परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में सरकार निजी कंपनियों से पूंजी निवेश की मांग कर रही है। फिलहाल भारत में परमाणु ऊर्जा कुल बिजली उत्पादन की तुलना में महज दो प्रतिशत भी नहीं है। यदि यह निवेश बढ़ता है तो 2030 तक अपनी स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता का 50 प्रतिशत गैर जीवाश्म ईंधन के उपयोग से प्राप्त लक्ष्य को हासिल करने में सहायता मिलेगी। वर्तमान में यह 42 प्रतिशत है।

सरकार इस सिलसिले में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा पावर, अदाणी पावर और वेदांत लिमिटेड सहित पांच निजी कंपनियों से बात की है। प्रत्येक कंपनी को 5.30 अरब डॉलर का निवेश करने को कहा गया है। इस सिलसिले में परमाणु ऊर्जा विभाग और न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) ने इस निवेश के बाबत बीते वर्ष निजी कंपनियों के साथ कई दौर की बातचीत की हुई है। सरकार को इस निवेश से 2040 तक 11000 मेगावाट नई परमाणु बिजली उत्पादन क्षमता की उम्मीद है। फिलहाल एनपीसीआइएल के पास 7500 मेगावाट की क्षमता वाले परमाणु ऊर्जा संयंत्र काम कर रहे हैं। इसमें और बढ़ोत्तरी के लिए 1300 मेगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य रखा है, जो निवेश से संभव हो सकेगा। निजी कंपनियों के साथ परमाणु ऊर्जा विभाग की शर्तों में परमाणु संयंत्रों के उपकरणों के साथ भूमि और पानी के प्रबंधन में होने वाला खर्च कंपनियां उठाएंगी। हालांकि संयंत्र के निर्माण, संचालन और उसमें प्रयुक्त होने वाले ईंधन का अधिकार एनपीसीआईएल के पास रहेगा। निजी कंपनी इन संयंत्रों में बनने वाली बिजली बेचकर राजस्व प्राप्त करने की आधिकारी होंगी और एनपीसीआईएल परियोजना के संचालन का शुल्क वसूल करेगा। अतएव कहा जा सकता है कि ये शर्तें व्यावहारिक होने के साथ सरकार और कंपनी दोनों के लिए ही लाभदायी साबित होंगी। साथ ही बड़ी मात्रा में नए कुशल और अकुशल रोजगार का सृजन होगा। परमाणु ऊर्जा परियोजना के विकास का यह हाईब्रिड नमूना परमाणु क्षमता स्थापित करने में भविश्य में अत्यंत मददगार साबित होगा। इस योजना के लिए परमाणु ऊर्जा अधिनियम 1962 में किसी भी प्रकार के संशोधन की आवश्यकता नहीं पड़ी है।

फिलहाल हमारे यहां दो तरह के परमाणु रिएक्टर हैं। एक गर्म पानी का जिसे बॉयलिंग वॉटर रिएक्टर और दूसरे को प्रेशराइज्ड हैवी वाटर रिएक्टर कहा जाता है। इनमें प्राकृतिक यूरेनियम का प्रयोग होता है। यूरेनियम के अणुओं के विखंडन के लिए, पहले रिएक्टर में अति उच्च दबाव और तापमान में पानी को खोलाया जाता है, जिससे अणु विखंडित होकर ऊर्जा में परिवर्तित हों। यह प्रक्रिया लगातार टरबाइन में चलती रहती हैं। इसे टरबाइन ब्लेड में चलाने की प्रक्रिया के साथ ऊर्जा उत्सर्जित होने लगती है। दूसरे रिएक्टर में ऊर्जा पानी के भारी दबाव से बनती है और इसमें पानी की मात्रा की बहुत ज्यादा जरूरत होती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नॉलेज कॉर्नर: कभी धन छिपाने के लिए डाकू करते थे 'गुचु पानी' का इस्तेमाल

लुटेरों की गुफा के लिए भी प्रसिद्ध है देवभूमि!

उत्तराखंड में कई ऐसे स्थान हैं जिन्हें देखने के लिए लोग दुनियाभर से आते हैं। इसे देवभूमि के नाम से भी जाना जाता है। चार धाम, तीर्थ नगरी और धर्म नगरी के अलावा भी यहां कई ऐसी जगहें हैं, जो पर्यटकों के बीच रोमांच का विषय बनी रहती हैं। राज्य की राजधानी देहरादून में मंदिर, गुरुद्वारे, झरने और झीलों जैसे कई दिलचस्प विजिट पॉइंट हैं, जिनकी सुंदरता देखते ही बनती है। यहां का बुद्धा मंदिर हो या टपकेश्वर महादेव, टी गार्डन हो या सहस्त्रधारा सभी स्थान अपने आप में अनोखे हैं। ऐसी ही एक और जगह है रॉबर्स केव, जो शहर से आठ किलोमीटर दूर है। रोबर्स केव का अर्थ होता है 'डाकुओं की गुफा'। इसे गुचु पानी के नाम से भी जाना जाता है। इसका इतिहास भी रोचक है।

इसे डाकुओं की गुफा भी कहते हैं

रॉबर्स केव को स्थानीय लोग गुचु पानी के नाम से जानते हैं। यह उत्तराखण्ड के देहरादून का एक प्रसिद्ध पर्यटक स्थल है। यह गुफा देश की स्वाधीनता से पहले ब्रिटिश काल की है। इस दौरान डाकू जो भी धन चुराकर लाते थे, उसे यहीं आकर छिपा देते थे। यहां के रास्ते इतने गुप्त थे, कि अंग्रेजों का यहां तक पहुंचना मुमकिन नहीं था। कई बार डाकू धन चुराने के बाद यहीं छिप जाते थे। इसलिए इसका नाम डाकुओं की गुफा पड़ गया। अंग्रेज इसे रॉबर्स केव के नाम से जानते थे। दरअसल

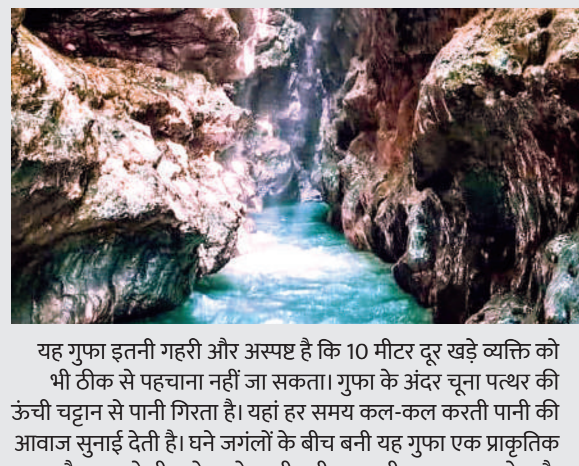

यह गुफा इतनी गहरी और अस्पष्ट है कि 10 मीटर दूर खड़े व्यक्ति को भी ठीक से पहचाना नहीं जा सकता। गुफा के अंदर चूना पत्थर की ऊंची चट्टान से पानी गिरता है। यहां हर समय कल-कल करती पानी की आवाज सुनाई देती है। घने जगंलों के बीच बनी यह गुफा एक प्राकृतिक स्थान है। गुफा ने बीच से बहने वाली नदी का पानी इतना साफ होता है, कि कंकड़-पत्थर भी आसानी से नजर आ जाते हैं।

गुफा के बारे में

रॉबर्स केव देहरादून शहर के परेड ग्राउंड से करीब आठ किलोमीटर दूर है। अपनी कुदरती सुंदरता के कारण लोग यहां समय व्यतीत करने आते हैं। वर्तमान में गुचु पानी जाने के लिए पैंतीस रूपये का टिकट लगता है। इस गुफा के अंदर से एक छोटी सी जलधारा बहती है। यह गुफा लगभग 600 मीटर लंबी है, जो कि दो मुख्य भागों में विभाजित है। इस गुफा का सबसे ऊंचा झरना 10 मीटर की ऊंचाई से गिरता है। गुफा के बींचो-बीच एक प्राचीन किले की दीवार बनी हुई थी, लेकिन वर्तमान में यह टूट गई है। इस प्रकार प्राकृतिक रूप से इस गुफा का गठन हुआ। गुचु पानी के अंदर से नदियां बहती हुई बाहर की तरफ आती हैं।

राजधानी है देहरादून

उत्तराखंड को उत्तरांचल के नाम से भी जाना जाता है। इस राज्य का गठन 9 नवंबर 2000 को देश के 27वें राज्य के रूप में हुआ। पश्चिम में हिमाचल प्रदेश और दक्षिण में उत्तर प्रदेश से इसकी सीमा लगती है। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून और हाईकोर्ट नैनीताल है।

कंटेंट: प्रताप सिंह नेगी

व्यंग्य

नंगई के मजे!

पूरन सरमा
व्यंग्यकार

गांव में थे तो कुएं पर नहाना होता था। चूंकि खुले में नहाते थे तो स्वाभाविक तौर पर अण्डर गारमेंट्स पहन पर नहाना होता था। इससे एक हया, शर्म और संकोच का पर्दा दिमाग पर पड़ा रहता था। जीवन भी थोड़ा-बहुत अनुशासन में था। फिर शहर में आना हो गया तो मैं हम्माम में भी अण्डर गारमेंट्स पहन कर ही काफी दिनों तक नहाता रहा। एक दिन मेरे प्रिय मित्र अमोलक जी आये और मुझे अकेला पाकर बोले- 'शर्मा, हमने सुना है तुम हम्माम में भी कपड़े पहन कर नहा रहे हो?' मैंने कहा-'हाँ, तो क्या हो गया?' वे बोले-'हो कैसे नहीं गया। शहर में रह रहे हो तो शहर का सलीका सीखो। हम्माम में तो सब नंगे हैं और निर्वसन होकर ही नहाते हैं। भाई मेरे तक तो बात आ गई, कोई बात नहीं, लेकिन पास-पड़ोस में बात फैलेगी तो लोग तुम्हारी मजाक बनायेंगे। भाई हम्माम में अंदर हो, दरवाजा बंद है और तुमने कपड़े पहन रखे हैं। है न हास्यास्पद बात। मैं आज तुमसे कहे जा रहा हूँ, कल से कपड़े उतार कर नहाना। फिर देखना तुम में कितने परिवर्तन होते हैं।' अमोलक जी की बात दिमाग में जंच गई कि यार हम्माम में कपड़ों का क्या लफड़ा? और फिर नंगई के तो अपने मजे हैं। दूसरे दिन हमाम में गया तो डरते-डरते निर्वसन हुआ। इसके तीन-चार दिन बाद तो मैं निर्भय होकर साबुन लगा कर नहाने लगा। मुझे भी लगा कि हम्माम में कपड़े पहनना कितना असभ्य तरीका था।

इसके बाद मैं बिंदास, मुंहफट, जवाब देने वाला तथा मनोबल से सराबोर हो गया। शर्म-हया सब जाती रही। बड़े-छोटों का लिहाज तथा सभ्य तरीकों को त्याग कर मैं किसी से क्या कह देता, किसी से लड़ लेता, बेवजह घर में चीखता-चिल्लाता और इतना निर्भीक हो गया कि डिप्रेशन की जो गोली लेता था, उसकी आदत छूट गई तथा मैं बिंदासपूर्वक बेमजा बातों पर भी दांत फाड़ने लगा। पंद्रह-बीस दिन बाद अमोलक जी फिर आए और आते ही बोले-'अब बताओ कैसा महसूस कर रहे हो?' मैंने कहा-'अमोलक भाई, आपने तो गजब का सूत्र दिया। जीने का मजा आ गया। किसी से भय, शर्म और संकोच सब खत्म हो गया तथा आत्म विश्वास इतना आ गया है कि पड़ोसी तक डरने लगे हैं। लोग कहने लगे हैं, इससे बात मत करो वरना अभी यह नंगईपन पर उतर आएगा तथा लेने के देने पड़ जायेंगे।' अमोलक जी खुलकर हंसने के बाद बोले-'अब थोड़ा अपना दायरा बड़ा करो। सभा-संगोष्ठियों में जाना सीखो और भाषण देना प्रारम्भ करो। फिर बताना नंगई के और कितने फायदे हुए।' यह कह कर वे फिर अन्तर्धान हो गये।

मैंने अब भाशण देना प्रारम्भ किया। बेतुकी बातें करता, उस पर भी तालियां बजती और लोग खूब हंसते। इसका सीधा-सीधा फायदा यह हुआ कि लोग मुझे कार्यक्रमों में भाशण देने के लिए अब खुद बुलाने लगे। मैं कहीं अध्यक्षता करता तो कहीं मुख्य अतिथि बन जाता। इस तरह हौंसला अफजाई इतनी जबरदस्त हुई कि राजनेताओं में उठ-बैठ शुरू होने से मेरा जीवन राजनीति में रंगने और जमने लगा। अपनी पार्टी के युवा मोर्चे का मैं विद इन नो टाइम प्रदेश अध्यक्ष बन गया। पार्टी में धाक और साख जम गई। अखबारों तथा मीडिया में मेरे वक्तव्य छपने और बोले जाने लगे। अमोलक जी यह देखकर बहुत खुश हुए और एक दिन वे फिर अपने साथ एक अन्य व्यक्ति को लेकर मेरे यहां आ गये। और आते ही बोले-'अब ठीक रहा शर्मा। अब काम की बात सुनो। ये अमुकराम जी हैं। यार इनका तबादला घर से बहुत दूर हो गया है। ये तो लो बीस हजार के नोट तथा मंत्री से कहकर इनका तबादला निरस्त कराओ।' मैंने नोट कुर्ते की जेब में रखकर कहा-'यह तो मेरे बायें हाथ का खेल है। कल की तारीख में इनका तबादला कैंसिल हो जायेगा।' वे एप्लीकेशन देकर चले गये। दूसरे दिन मैं मंत्री को बाएं हाथ से एप्लीकेशन देकर बोला-'सर, ये मेरे मिलने वाले हैं। जरा चिड़िया बैठा दो।' मंत्री जी ने हंसते हुए हस्ताक्षर किए और ऑर्डर निकलवा कर घर ले आया। शाम को अमोलक जी आए और बोले-'देखे नंगई के मजे। लाओ ऑर्डर मैंने अपनी दलाली उससे ले ली है।' वे ऑर्डर लेकर चले गये और मैं खुले आम बायें हाथ से कार्य निपटाने लगा। मेरा नंगई का धंधा चल निकला। आजकल मैं एकदम खुश हूं, पूरा परिवार खुश है।

X

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान
@BhajanLalBJP
हमारे द्वारा 'हेल्थ फॉर ऑल' के सिद्धांत के तहत कार्य करते हुए वर्तमान में 1782 अस्पतालों में "मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना" (MAA Yojana) के तहत इलाज हो रहा है। हमारी सरकार के कार्यकाल में अभी तक 10 लाख से अधिक लोगों का इलाज हुआ है।

केंद्रीय मंत्री के एक बयान को लेकर भाजपा पर बरसी मुख्यमंत्री, कहा...

पश्चिम बंगाल के विभाजन का सपना नहीं होने दूंगी पूरा: ममता बनर्जी

■ बिहार व बंगाल के कुछ इलाकों को लेकर केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग

एजेंसी | कोलकाता

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को विधानसभा में भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा 'विभाजन की राजनीति' कर रही है। उन्होंने कहा कि पूरे बंगाल के साथ-साथ उत्तर बंगाल भी बजट में उपेक्षित रहा है, जबकि यहां से भाजपा ने सबसे अधिक सीटें जीतीं हैं। ममता बनर्जी ने चुनौती देते हुए कहा कि बंगाल को विभाजित करने का प्रयास किया गया तो मैं दिखाऊंगी कि कैसे इसे रोका जाता है। नीति आयोग की बैठक में ममता बनर्जी का माइक बंद करने के आरोप पर बंगाल विधान सभा में

निंदा प्रस्ताव लाया गया।

सीएम ममता बनर्जी ने सोमवार को विधानसभा में कटाव नियंत्रण और बाढ़ की रोकथाम पर चर्चा के दौरान बंगाल के दो जिलों और बिहार के कुछ जिलों को मिलाकर एक केंद्र शासित प्रदेश बनाने की कुछ भाजपा नेताओं की मांग का भी विरोध किया। भाजपा पर बरसते हुए उन्होंने कहा कि बंगाल विभाजन का उसका सपना मैं कभी साकार नहीं होने दूंगी। उन्होंने कहा, मैं बंगाल का बंटवारा नहीं होने दूंगी।

ज्ञात रहे कि बंगाल के कथित विभाजन को लेकर विवाद तब शुरू हुआ जब उत्तर बंगाल के बालुरघाट से सांसद और उत्तर-पूर्व विकास मंत्रालय के राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर उत्तर बंगाल की केंद्रीय परियोजनाओं को उत्तर-पूर्व भारत की परियोजनाओं में शामिल करने का प्रस्ताव दिया। सोमवार को विधान सभा में ममता बनर्जी ने इसके खिलाफ अपनी आवाज उठाई और सुकांत के बयान का विरोध किया। दूसरी ओर सुकांत मजूमदार ने ममता के आरोपों का खंडन करते हुए कहा, बंगाल विभाजन का कोई सवाल ही नहीं है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी गैरजरूरी बातें कर रही हैं और यह कोई निर्णय नहीं है।

बांग्लादेश के साथ तीस्ता समझौते का विरोध

ममता बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार तीस्ता नदी के पानी के बंटवारे पर भारत-बांग्लादेश के बीच किसी भी समझौते का विरोध करती है। उन्होंने बताया कि उन्हें बांग्लादेश के लोगों से प्यार हैं, लेकिन तीस्ता के पानी के बंटवारे का मतलब है कि उत्तरी बंगाल को पीने के पानी से वंचित रखना। उन्होंने कहा सर्दी और गर्मी के मौसम में तीस्ता में बहुत कम पानी होता है। उन्होंने यह आरोप लगाया कि राज्य सरकार को फरक्का संधि के नवीनीकरण पर भारत-बांग्लादेश के बीच चर्चा के लिए आमंत्रित नहीं किया गया था।

भाजपा विधायकों ने विधानसभा से किया वॉकआउट

भाजपा ने सोमवार को विधायक के तौर पर कटाव नियंत्रण और बाढ़ नियंत्रण पर चर्चा के लिए सुमन कांजीलाल का नाम शामिल किए जाने के विरोध में पश्चिम बंगाल विधानसभा से वॉकआउट कर गए। भाजपा नेता संकर घोष ने बताया कि कांजीलाल जिन्हें अलीपुर से भाजपा विधायक बनाया गया है, वह तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में शामिल हो गई हैं। इसका विरोध करते हुए घोष ने स्पीकर बिमान बनर्जी से कहा कि भाजपा विधायक दल ने चर्चा में शामिल होने के लिए उनका नाम नहीं दिया था। स्पीकर बिमान बनर्जी ने कहा कि उन्होंने चर्चा में भाग लेने के लिए कांजीलाल का नाम शामिल करने की अनुमति दे दी है। इस पर भाजपा विधायकों ने नारे लगाते हुए विधानसभा से वॉकआउट किया।

सोरेन की जमानत के खिलाफ ईडी की याचिका खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कथित भूमि घोटाले से जुड़े धन शोधन के एक मुकदमे में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमानत देने के झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका सोमवार को खारिज कर दी। न्यायाधीश बी. आर. गवई और न्यायाधीश के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी की याचिका खारिज करते हुए कहा कि उच्च न्यायालय का फैसला बहुत ही तर्कसंगत है। पीठ ने अपने आदेश में कहा, हम उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने के लिए इच्छुक नहीं हैं।

महिला आरक्षण कानून लागू किया जाए: लांबा

नई दिल्ली। महिला कांग्रेस की हजारों कार्यकर्ताओं ने महिला आरक्षण कानून लागू करने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान की शुरुआत करते हुए सोमवार को कहा कि जब तक आधी आबादी को न्याय नहीं मिलता है, महिला कांग्रेस का अभियान थमेगा नहीं। महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लाम्बा ने सोमवार को यहां जंतर मंतर पर देशभर से आई हजारों महिला कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की मौजूदगी में अभियान की शुरुआत करते हुए कहा कि मोदी सरकार ने विधानसभा तथा संसद में महिलाओं के लिए नए संसद भवन में धूम धड़ाके से 33 प्रतिशत आरक्षण वाला विधेयक पारित करवा कर ठंडे बस्ते में डाल दिया है और उसे क्रियान्वित नहीं किया जा रहा है। लाम्बा ने कहा यह अभियान जंतर-मंतर से शुरू हुआ है और देश के हर शहर तक पहुंचेगा।

लोकसभा में बजट पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने सरकार को घेरा

देश को चक्रव्यूह में फंसाने का आरोप, कहा-हम इसे तोड़ेंगे

एजेंसी | नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को केंद्र सरकार पर हिंदुस्तान को अभिमन्यु की तरह चक्रव्यूह में फंसाने का आरोप लगाया और कहा कि विपक्षी गठबंधन इंडिया इस चक्रव्यूह को तोड़ेगा। उन्होंने लोकसभा में सोमवार को केंद्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए यह दावा भी किया कि इस बजट में चंद पूंजीपतियों के एकाधिकार और लोकतांत्रिक ढांचे को नष्ट करने वाले राजनीतिक एकाधिकार को मबजूती प्रदान की गई है, जबकि युवाओं, किसानों तथा मध्य वर्ग को नजरअंदाज कर दिया गया है।

राहुल गांधी ने कई मुद्दों पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा, हजारों साल पहले अभिमन्यु को चक्रव्यूह में छह लोगों ने फंसा कर मारा था। उनके नाम द्रोणाचार्य, कर्ण, अश्वत्थामा, कृपाचार्य, कृतवर्मा और शकुनी हैं। आज भी चक्रव्यूह रचने वाले छह लोग हैं। उन्होंने कहा कि चक्रव्यूह का दूसरा नाम है- पद्मव्यूह, जो कमल के फूल के आकार का होता है। इसके अंदर डर और हिंसा होती है। नेता प्रतिपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के अलावा चार और लोगों प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल, संघ प्रमुख मोहन भागवत, अडाणी और अंबानी का नाम लिया, जिस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आपत्ति जताई। बिरला ने कहा, आप नेता प्रतिपक्ष हैं। आपकी पार्टी के उप नेता (गौरव गोगोई) ने लिखकर दिया है कि जो सदन का सदस्य नहीं है, उसका नाम नहीं लिया जाना चाहिए। इसके बाद राहुल गांधी ने देश के प्रमुख उद्योगपतियों को 'ए 1' और 'ए 2' कहकर संबोधित किया। राहुल गांधी ने दावा किया, 21वीं सदी में एक और चक्रव्यूह तैयार किया गया है... जो अभिमन्यु के साथ हुआ, वही हिंदुस्तान के साथ किया जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह देश चक्रव्यूह को पसंद नहीं करता है, 'शिवजी की बारात' पसंद करता है जिसमें सभी लोग शामिल हो सकते हैं। राहुल गांधी ने 'अग्निपथ' योजना का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया, सेना के जवानों को अग्निपथ के चक्रव्यूह में फंसाया गया। बजट में अग्निवीरों को पेंशन के लिए रुपया नहीं दिया गया।

नेता प्रतिपक्ष ने अग्निवीरों पर फैलाई भ्रांति

राहुल के भाषण के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील विषय पर बात की है और अग्निवीरों को लेकर भ्रांति फैलाने का काम किया है।

चक्रव्यूह के पीछे बताई तीन ताकतें

राहुल गांधी ने बजट का हवाला देते हुए दावा किया, जिस चक्रव्यूह ने भारत को अपने गिरफ्त में ले लिया है उसके पीछे तीन ताकतें हैं। पहली एकाधिकार वाली पूंजी का विचार है कि दो लोगों को संपूर्ण भारतीय संपत्ति का मालिक बनने दिया जाना चाहिए। उनका कहना था कि दूसरी ताकत इस देश की संस्थाएं, एजेंसियां, सीबीआई, ईडी, आयकर विभाग हैं और तीसरी ताकत राजनीतिक कार्यपालिका है। राहुल गांधी ने कहा कि इन तीनों ताकतें चक्रव्यूह के केंद्र में हैं और उन्होंने इस देश को तबाह कर दिया है। उनका कहना था, मेरी अपेक्षा थी कि यह बजट इस चक्रव्यूह की शक्ति को कमजोर कर देगा तथा इससे देश के किसानों, युवाओं, मजदूरों, देश के छोटे व्यवसायों को मदद मिलेगी। लेकिन मैंने जो देखा- वह यह है कि इस बजट का एकमात्र उद्देश्य बड़े व्यवसायियों के एकाधिकार तथा उस राजनीतिक एकाधिकार के ढांचे को मजबूत करना है जो लोकतांत्रिक ढांचे को नष्ट कर देता है और अंत में 'डीप स्टेट' या एजेंसियों के ढांचे को मजबूत करने वाला है।

स्पीकर बिरला व राहुल में नोकझोंक

लोकसभा में राहुल गांधी के भाषण के दौरान स्पीकर ओम बिरला और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बीच कई बार नोकझोंक हुई। राहुल गांधी ने जब सदन में अजीत डोभाल, अंबाणी और अदाणी का नाम लिया तो लोकसभा स्पीकर ने उन्हें टोकते हुए सदन की मर्यादा बनाए रखने की बात कही। स्पीकर बिरला ने कहा, आप संवैधानिक पद पर हैं। आपके कई सदस्यों ने मुझे लिखकर दिया है कि जो भी इस सदन का सदस्य नहीं है, उनका नाम नहीं लेंगे। आपने लिखकर दिया है क्या आप उसकी पालना नहीं करना चाहते? राहुल गांधी ने कहा, अगर आप चाहते हैं तो मैं इस सूची से एनएसए अजीत डोभाल, अंबानी और अडानी का नाम हटा लेता हूं। राहुल के ऐसा कहते ही लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने उन्हें फिर से टोका। लोकसभा स्पीकर ने कहा, 'सदन की नियम प्रक्रियाओं से सदन चलता है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी राहुल गांधी को टोका।

आप उन लोगों पर टिप्पणी नहीं कर सकते, जो सदन के सदस्य नहीं हैं।
- स्पीकर बिरला

राहुल गांधी ने कहा कि क्या मैं इन लोगों को 3,4 बोल सकता हूं या फिर A1 या A2 कहूं।
-राहुल गांधी

नेता प्रतिपक्ष को सदन के नियमों की जानकारी नहीं है। आप नियमों को नहीं मानते हैं और न ही स्पीकर की बात मानते हैं।
-किरण रिजिजू

अन्नदाता ने एक एमएसपी मांगी थी, वह भी नहीं दी

अन्नदाता ने आपके चक्रव्यूह से निकलने के लिए आपसे सिर्फ एक चीज मांगी है कि एमएसपी की कानूनी गारंटी दे दीजिए, लेकिन नहीं दिया गया। उन्होंने कहा, एमएसपी की कानूनी गारंटी इतना बड़ा काम नहीं है। अगर बजट में इसका प्रावधान कर दिया जाता तो किसान चक्रव्यूह से निकल जाता। 'इंडिया' गठबंधन की तरफ से मैं कहना चाहता हूं कि हम एमएसपी की कानूनी गारंटी देंगे।

उठाया जातिगत जनगणना का मुद्दा

राहुल गांधी के आज के भाषण में वही मुद्दे थे जिनका वह जिक्र पिछले कुछ समय से कर रहे हैं। अग्निवीर योजना, बेरोजगारी के साथ ही साथ पिछड़ा और दलित वर्ग को साधने के लिए उनका जोर जातिगत जनगणना पर है। राहुल गांधी ने लोकसभा में जाति जनगणना का फिर मुद्दा उठाया। राहुल गांधी ने दावा किया कि इस बजट के बाद देश का मिडिल क्लास भी भाजपा का साथ छोड़ रहा है जो इंडिया गठबंधन के लिए एक अवसर भी है।

बजट टीम में SC-ST अफसर नहीं, सीतारमण ने माथा पकड़ा

राहुल गांधी ने कहा कि 20 अफसरों ने देश का बजट बनाने का काम किया है, लेकिन इनमें से सिर्फ एक अल्पसंख्यक और एक ओबीसी हैं और उनमें दलित व आदिवासी एक भी नहीं है। राहुल गांधी ने बजट से पहले की हलवा वाली रस्म का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि इस सरकार में दो-तीन प्रतिशत लोग ही हलवा तैयार कर रहे हैं और उतने ही लोग हलवा खा रहे हैं और शेष हिंदुस्तान को यह नहीं मिल रहा है। हलवा सेरेमनी की एक तस्वीर दिखाते हुए उन्होंने कहा कि इसमें आपको एक भी ओबीसी, दलित, जनजाति या फिर अल्पसंख्यक अधिकारी नहीं दिखेगा। राहुल गांधी की इस बात पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण माथा पीटती दिख रही हैं। वह हंसते हुए अपने दोनों हाथ माथे पर मारती हैं। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि यह हंसने का मामला नहीं है। देश के ओबीसी, दलित और आदिवासी से जुड़ा मसला है।

शराब घोटाला: आरोप पत्र दाखिल

सीबीआई ने सीएम केजरीवाल को बनाया आरोपी

एजेंसी | नई दिल्ली

आबकारी नीति मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें खत्म होती नहीं दिख रही हैं। ताजा मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो ने सोमवार को अरविंद केजरीवाल और अन्य के खिलाफ राउज एवेन्यू कोर्ट में आरोप पत्र दायर किया है। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा की अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया गया है।

आरोप पत्र में केजरीवाल पर मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक होने का आरोप लगाया गया है। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोप पत्र दाखिल किया था, जिसमें आम आदमी पार्टी (आप) और केजरीवाल को आरोपी बनाया गया है। आरोप पत्र में केजरीवाल को शराब घोटाले में मुख्य साजिशकर्ता में से एक बताया गया है। आरोप है कि आम आदमी पार्टी को 100 करोड़ रुपए की रिश्वत मिली थी। इससे पहले 12 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने सीएम केजरीवाल को ईडी मामले में अंतरिम जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था।

जमानत पर दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला सुरक्षित

दूसरी ओर दिल्ली उच्च न्यायालय ने आबकारी नीति कथित घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मुकदमे में आरोपी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई पूरी होने के बाद सोमवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। न्यायाधीश नीना बंसल कृष्णा ने सीबीआई का पक्ष रख रहे केंद्रीय जांच एजेंसी के एसपीपी डी पी सिंह और याचिकाकर्ता केजरीवाल का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी सहित अन्य की दलीलें विस्तारपूर्वक सुनने के बाद अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। एकल पीठ के समक्ष सिंह ने दलील देते हुए कहा कि आरोपी केजरीवाल भ्रष्टाचार के इस मामले 'सूत्रधार' हैं। उनके खिलाफ स्पष्ट सबूत हैं। सिंघवी ने केजरीवाल का पक्ष रखते हुए सीबीआई की दलीलों का जोरदार विरोध किया।

सिसोदिया की जमानत याचिका पर पांच अगस्त को सुनवाई

एजेंसी | मुंबई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि दिल्ली की कथित आबकारी नीति घोटाले में भ्रष्टाचार और धनशोधन के अलग-अलग दर्ज मुकदमों के आरोपी पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर केंद्रीय जांच ब्यूरो ने अपना जवाब दाखिल कर दिया है और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया गया है। न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायाधीश के वी विश्वनाथन की पीठ ने सुनवाई करते हुए पाया कि सीबीआई ने याचिका पर अपना जवाब दाखिल कर दिया, लेकिन यह रिकॉर्ड में नहीं है। पीठ ने इसके बाद ईडी को भी जवाब दाखिल करने को कहा और पूर्व उपमुख्यमंत्री को अगली सुनवाई पांच अगस्त से पहले अपना जवाब दाखिल करने की अनुमति दी।

शरद पवार की टिप्पणी पर गरमाई सियासत

पवार ने जताई महाराष्ट्र में मणिपुर जैसे हालात की आशंका, भड़की भाजपा

एजेंसी | मुंबई

राकांपा (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार के एक टिप्पणी को लेकर सियासत शुरू हो गई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार पवार ने रविवार को नई मुंबई में एक कार्यक्रम में महाराष्ट्र में पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर जैसे हालात की आशंका जताई है।

हालांकि, उन्होंने कहा कि सद्भावना को बढ़ावा देने वाले कई दिग्गजों की विरासत के चलते ऐसा नहीं हो सका। इस दौरान उन्होंने मणिपुर में हिंसा रोकने में असफल होने के आरोप लगाए और केंद्र सरकार की जमकर आलोचना भी की। शरद पवार का इशारा महाराष्ट्र में आरक्षण को लेकर मराठा एवं अन्य पिछड़ा वर्ग

(ओबीसी) के बीच बढ़ रहे तनाव की ओर था। पवार के इस बयान पर भाजपा ने आपत्ति जताई है। भाजपा के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा है कि शरद पवार को राजनीति के लिए इस प्रकार के बयान नहीं देने चाहिए। बावनकुले ने कहा है कि शरद पवार जैसे कद के नेता को इस प्रकार के बयान नहीं देने चाहिए। इस प्रकार के बयान देकर वह महाराष्ट्र एवं यहां की जनता को बदनाम न करें।

बावनकुले ने कहा कि अगर यहां कोई हिंसा के संबंध में सोचेगा भी तो उस पर नियंत्रण करने में महाराष्ट्र के गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस सक्षम हैं।

भुजबल ने गत दिनों की थी पवार से भेंट

ज्ञात रहे कि महाराष्ट्र में मराठा और ओबीसी समाजों के बीच आरक्षण को लेकर बढ़ रहे तनाव को लेकर कुछ दिनों पहले राज्य सरकार के मंत्री एवं वरिष्ठ ओबीसी नेता छगन भुजबल खुद शरद पवार के घर जाकर उनसे मिले थे। भुजबल ने शरद पवार से आग्रह किया था कि राज्य के वरिष्ठतम नेता होने के नाते वह इस विवाद को सुलझाने के लिए आगे आएं। इस मुलाकात के कुछ दिनों बाद शरद पवार ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात भी की थी। मगर दोनों नेताओं की मुलाकात में मराठा व ओबीसी आरक्षण पर क्या बात हुई, यह जानकारी सामने नहीं आ सकी थी।

स्पीकर के फैसले के खिलाफ याचिका SC ने अजित पवार से मांगा जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अजित पवार के गुट को असली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी मानने के महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के फैसले के खिलाफ शरद पवार खेमे की याचिका पर उपमुख्यमंत्री अजित पवार और उनके खेमे के 40 विधायकों से जवाब तलब किया। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने शरद पवार गुट की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी की दलीलों पर गौर किया कि राज्य विधानसभा के बचे हुए संक्षिप्त कार्यकाल को ध्यान में रखते हुए याचिका पर तत्काल सुनवाई की जरूरत है।

हम नोटिस जारी करेंगे

पीठ ने कहा कि वह शरद पवार गुट के विधायकों जयंत पाटिल और जितेंद्र आव्हाड की अर्जी पर उद्धव ठाकरे खेमे की इसी तरह की याचिका पर सुनवाई के तुरंत बाद विचार करेगी। उद्धव ठाकरे गुट ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके विधायकों के पक्ष में विधानसभा अध्यक्ष के फैसले को चुनौती देते हुए इसी तरह की याचिका दायर की है। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि हम नोटिस जारी करेंगे। विचारणीयता के आधार समेत सभी आपत्तियों पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा

एमवीए नेताओं के साथ साझा किया मंच

पुणे के हडपसर से विधायक चेतन तुपे पुणे में एक कार्यक्रम में पवार और महाराष्ट्र विकास अघाड़ी (एमवीए) के कई अन्य नेताओं के साथ मंच साझा किया था। जब मीडिया ने उनसे शरद पवार के पास लौटने के बारे सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि यह एक गैर-राजनीतिक कार्यक्रम था। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का आयोजन सतारा जिला मित्र मंडल ने किया था। चेतन तुपे भले ही अजित पवार के साथ हैं लेकिन उन्होंने अभी तक अपनी आधिकारिक आकउंट से शरद पवार की फोटो नहीं हटाई है। ऐसे में चर्चा है कि हडपसर से 2019 में पहली बार विधायक बने चेतन तुपे पाला बदलें तो इसमें आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

जरूरी खबर

ईरानी राष्ट्रपति आज लेंगे शपथ, गडकरी जाएंगे तेहरान

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी मंगलवार को ईरान के निर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के शपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। गौरतलब है कि ईरान के दिवंगत पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी के अंतिम संस्कार में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देश का प्रतिनिधित्व किया था। रायसी ने भारत को 10 साल के लिए चाबहार बंदरगाह के संचालन की अनुमति संबंधी द्विपक्षीय समझौते में महत्वपूर्ण पहल की थी। वहीं पिछले साल ईरान की ब्रिक्स की सदस्यता के मामले में भारत की अहम भूमिका रही।

असम: सरकारी कार्यक्रम में सिर्फ शाकाहारी भोजन

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार को घोषणा की कि उनकी सरकार 'वीआईपी संस्कृति' को समाप्त करने जा रही है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में बताया, हमारी सरकार वीआईपी संस्कृति को खत्म करेगी। अब से हर सरकारी कार्यक्रम में केवल शाकाहारी और सात्विक भोजन ही परोसा जाएगा। गुवाहाटी में दो दिवसीय जिला आयुक्तों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए बिस्वा ने कहा, हम मुख्यमंत्री की सुरक्षा से संबंधित वाहनों और बैरिकेड्स में कटौती कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार मौजूदा वीआईपी प्रोटोकॉल को खत्म कर देगी और लोगों की पसंद के हिसाब से काम करेगी और सभी आधिकारिक बैठकों में केवल सादा शाकाहारी भोजन परोसा जाएगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह नियम राज्य के मेहमानों पर लागू नहीं होगा।

यूपी: SC-ST के धर्म परिवर्तन पर आजीवन कारावास

लखनऊ। लव जिहाद व एससी-एसटी के धर्म परिवर्तन के बढ़ते मामलों पर अंकुश लगाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने सख्त कदम उठाया है। सोमवार को विधानसभा में पेश किए गए उप्र विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) विधेयक में धर्म परिवर्तन से जुड़े अपराधों में सजा की अवधि को बढ़ा दिया गया है। इसमें आजीवन कारावास और पांच लाख रुपए तक के जुर्माने का प्राविधान किया गया है। साथ ही, विदेशों से धर्म परिवर्तन के लिए फंडिंग पर अंकुश लगाने के लिए भी सख्त कदम उठाए हैं। राज्य सरकार ने वर्ष 2021 में लाए विधेयक को सजा और जुर्माने की दृष्टि से और मजबूत किया है। यदि किसी नाबालिक, दिव्यांग अथवा मानसिक रूप से दुर्बल व्यक्ति, महिला, एससी-एसटी का धर्म परिवर्तन कराता है तो उसे आजीवन कारावास और एक लाख रुपए जुर्माने से दंडित किया जा सकेगा। इसी तरह सामूहिक धर्म परिवर्तन पर भी आजीवन कारावास और एक लाख रुपए जुर्माने की सजा होगी। विदेशी अथवा गैरकानूनी संस्थाओं से फंडिंग हासिल करने पर 14 वर्ष तक की सजा और 10 लाख रुपए जुर्माने की सजा होगी।

पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली पर कार्यक्रम

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण और जलवायु मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोमवार को आईआईटी, दिल्ली के डोगरा हॉल में आयोजित आइडियाज फॉर लाइफ-पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया।

नेविगेशन सिस्टम व इंटरसेप्टर नौकाओं की होगी खरीद

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने सेना के बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों (एएफवी) के लिए एडवांस लैंड नेविगेशन सिस्टम (उन्नत भूमि नौवहन प्रणाली- एएलएनएस) और तटरक्षक बल के लिए 22 इंटरसेप्टर नौकाओं की खरीद को सोमवार को मंजूरी दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने इन प्रस्तावों को मंजूरी दी। लैंड नेविगेशन सिस्टम और इंटरसेप्टर नौकाओं की खरीद पर होने वाले खर्च के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं मिली है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि डीएसी ने कई अन्य खरीद प्रस्तावों पर भी विचार-विमर्श किया। मंत्रालय ने कहा कि यह उपकरण चेन्नई स्थित भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड से खरीदा जाएगा। यह खरीद स्वदेश में डिजाइन, विकसित और निर्मित (आईडीडीएम) श्रेणी के तहत की जाएगी।

कोचिंग हादसे की जांच के लिए कमेटी गठित, 30 दिनों में आएगी रिपोर्ट

JEN बर्खास्त, AEN को किया निलंबित...कई सेंटर किए सील

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली के ओल्ड राजेंद्रनगर इलाके में स्थित एक कोचिंग सेंटर में दो छात्राओं समेत तीन विद्यार्थियों की दर्दनाक मौत पर अब केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हादसे की जांच के लिए एक कमेटी गठित की है। वहीं, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने कड़ी कार्रवाई करते हुए एक अधिकारी को बर्खास्त कर दिया और एक अन्य अधिकारी को निलंबित कर दिया है। दिल्ली पुलिस इस मामले में अब तक 7 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

एमसीडी आयुक्त अश्वनी कुमार ने कहा कि कोचिंग सेंटर में अभ्यर्थियों की मौत के संबंध में एक जूनियर इंजीनियर को बर्खास्त कर दिया गया है और एक सहायक इंजीनियर को निलंबित कर दिया गया है। दोनों अधिकारी करोल बाग जोन के रखरखाव विभाग में तैनात थे। वहीं, एमसीडी ने सोमवार को ओल्ड राजेंद्र नगर इलाके में अतिक्रमण रोधी अभियान भी चलाया। इससे पहले निगम ने रविवार को इस इलाके में 20अवैध कोचिंग सेंटर को सील कर दिया था। पुलिस ने 'राव आईएएस स्टडी सर्किल' को पहले ही सील कर दिया है।

दूसरी ओर, गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि मंत्रालय की ओर से गठित कमेटी हादसे के कारणों की जांच करेगी, जिम्मेदारी तय करेगी और नीतिगत बदलावों की सिफारिश करेगी। समिति में अतिरिक्त सचिव, प्रमुख सचिव (गृह), दिल्ली सरकार, दिल्ली पुलिस के स्पेशल सीपी, अग्निशमन सलाहकार और संयुक्त सचिव, गृह मंत्रालय संयोजक होंगे। समिति को 30 दिनों में अपनी रिपोर्ट सौंपनी होगी। वहीं, इस हादसे को लेकर विद्यार्थियों को लेकर सोमवार को दूसरे दिन भी विरोध-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बैनर व तख्तियां लेकर दिल्ली सरकार व एमसीडी के खिलाफ नारेबाजी की।

छात्रों ने सीजेआई को लिखी चिट्ठी: कहा-नारकीय जिंदगी जीने का मजबूर

इस बीच, इस हादसे को लेकर कुछ छात्रों ने देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर उनसे मामले में दखल देने की गुहार लगाई है। पत्र में एक छात्र ने आरोप लगाया है कि राजधानी में वे नरक सी जिंदगी जीने को मजबूर हैं। पत्र में कोचिंग संस्थान में छात्रों की मौत के मामले में भी शहर के अधिकारियों और अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की गई है। अविनाश दुबे ने चिट्ठी में राजेंद्र नगर और मुखर्जी नगर जैसे क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं की कमी को उजागर किया है। इन इलाकों में आईएएस-पीसीएस समेत तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थी रहते हैं। दुबे ने अपने पत्र में मुख्य न्यायाधीश से मौलिक अधिकारों की सुरक्षा करने की करुणामयी गुहार लगाई है।

संसद में उठा मामला

कोचिंग हादसे का मुद्दा सोमवार को संसद में भी गूंजा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने राज्यसभा में कहा कि यह सभी का दावित्य बनता है कि ऐसी घटना दोबारा न हो। इस मामले में लापरवाही तो हुई है जिसका किसी न किसी को उत्तर तो देना पड़ेगा। उन्होंने कहा, हम सरकार में हैं तो कोचिंग सेंटर्स को लेकर दायित्व हमारे भी बनते हैं। शिक्षा समवर्ती सूची में आती है जिसमें केंद्र और राज्य सरकारें दोनों विचार कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि कोचिंग सेंटर्स के बारे में केंद्र की ओर से राज्य सरकारों को समय-समय पर दिशानिर्देश जारी किए जाते रहे हैं। दिल्ली और कोटा के अलावा दूसरी जगह की घटनाओं को लेकर भी चर्चा हुई है। लोकसभा में भाजपा की बांसुरी स्वराज ने शून्यकाल यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि ये बच्चे अपना भविष्य उज्ज्वल करने आए थे लेकिन दिल्ली सरकार की लापरवाही के कारण इनकी जान चली गई। उन्होंने सरकार से मामले की जांच कराने की मांग की।

गैस चैंबर बने कोचिंग सेंटर: धनखड़

नई दिल्ली। दूसरी ओर राज्य सभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने भी इस हादसे पर चिंता व्यक्त की। धनखड़ ने कहा कि कोचिंग सेंटरों की कार्य संस्कृति अब गैस चैंबर में बदल गई है। उन्होंने इस बात की जांच करने पर भी जोर दिया कि आखिर समाचार पत्रों में विज्ञापन देने के लिए कोचिंग सेंटरों के पास इतनी बड़ी मात्रा में धनराशि कहां से आ रही है। राज्य सभा में सोमवार को दिल्ली में यूपीएससी की तैयारी कर रहे तीन छात्रों की मौत पर चर्चा की गई। इस दौरान धनखड़ ने कहा, मुझे लगता है कि आज के दौर में कोचिंग वास्तव में व्यापार का जरिया बन गए हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से ऐसे संस्थानों में कमाई की जा रही है, उससे लगता है कि शिक्षा के व्यवसायीकरण के मामले में कोचिंग सेंटर आगे निकल गए हैं। राज्य सभा के सभापति ने कहा, आज के दौर में ऊंची कमाई के साथ कोचिंग का व्यापार खूब फल-फूल रहा है। कोचिंग के लिए बनाई जाने वाली हर एक बिल्डिंग को छात्रों के पैसे से तैयार किया जा रहा है। इससे पहले सुधांशु त्रिवेदी और स्वाति मालीवाल समेत अन्य राज्य सभा सदस्यों ने नियम संख्या 267 के तहत दिल्ली के कोचिंग सेंटर में हुए हादसे पर चर्चा करने के लिए नोटिस दिया था।

बिहार में आरक्षण का मामला

SC ने बढ़े हुए आरक्षण पर रोक रखी बरकरार

एजेंसी | नई दिल्ली/पटना

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार सरकार को सोमवार को बड़ा झटका देते हुए, वंचित वर्ग के लिए आरक्षण 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत करने के फैसले पर रोक बरकरार रखी है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में सितंबर में विस्तृत सुनवाई करेगा। बिहार सरकार ने एससी/एसटी, ओबीसी व अति पिछड़ा वर्ग के लिए सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में आरक्षण 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत करने का फैसला लिया था। इस फैसले को पटना हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। हाईकोर्ट ने इसे असंवैधानिक बताते हुए रोक लगा दी थी।

बिहार सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सोमवार को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर रोक हटाने से इनकार कर दिया। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़, न्यायाधीश जे. बी. पारदीवला और न्यायाधीश मनोज मिश्रा की पीठ पटना हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ बिहार सरकार की 10 याचिकाओं पर सुनवाई करने के लिए सहमत हो गई। शीर्ष अदालत ने कहा है कि याचिकाओं पर सितंबर में सुनवाई की जाएगी।

पिछड़े वर्गों के लिए अच्छी खबर नहीं: त्यागी

इस बीच, जदयू के प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा, यह समाज के वंचित वर्गों के लिए बुरी खबर है। हमारी मांग है कि आरक्षण को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल किया जाए ताकि आरक्षण से जुड़े हर मामले को न्यायिक समीक्षा से छूट मिल सके। जदयू देश में जातिगत जनगणना कराने के पक्ष में है।

पीओके के एक्टिविस्ट का दावा

जम्मू में घुसे पाकिस्तान के करीब 600 कमांडो!

श्रीनगर। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के मशहूर एक्टिविस्ट डॉ. अमजद अयूब मिर्जा ने जल्द ही जम्मू-कश्मीर पर हमले की आशंका जताई है। उन्होंने दावा किया है कि पाकिस्तानी सेना की एसएसजी की एक पूरी बटालियन, जिसमें कम से कम 600 कमांडो शामिल हैं, भारत में घुसपैठ कर चुकी है और कुपवाड़ा क्षेत्र तथा अन्य स्थानों में छिपी हुई है। उन्होंने आशंका जताई है कि आतंकवादी और पाकिस्तानी सेना पीर पंजाल और शम्सबारी पहाड़ों के बीच स्थित कुपवाड़ा क्षेत्र में छिपे हो सकते हैं। डॉ. मिर्जा ने दावा किया है कि, स्थानीय जिहादी स्लीपर सेल कथित तौर पर पाकिस्तानी सेना का समर्थन कर रहे हैं और भारतीय क्षेत्र में उनकी गतिविधियों को सुविधाजनक बना रहे हैं। उन्होंने ये भी दावा किया है कि पाकिस्तानी सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल शाहिद सलीम जंजुआ जम्मू में हमलों की कमान संभाल रहे हैं, जिसका लक्ष्य भारतीय सेना की 15वीं कोर पर हमला करना है।

सुप्रीम कोर्ट: सात पीठ गठित... शुक्रवार तक चलेगी लोक अदालत

केस के सौहार्दपूर्ण निपटारे से मिलती है संतुष्टि: CJI

एजेंसी | नई दिल्ली

देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की पहल पर पहली बार सुप्रीम कोर्ट ने सात पीठ गठित कर लोक अदालत के जरिए मुकदमों के सौहार्दपूर्ण निपटारे की शुरुआत की है। लोक अदालत छह दिनों तक चलेंगे।

पहले दिन सोमवार को दोपहर दो बजे विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया, जिसके भीतर मीडिया के कैमरों को भी अनुमति दी गई थी। इस मौके पर मामलों का निपटारा करते हुए सीजेआई चंद्रचूड़ ने खुशी जाहिर की और कहा कि किसी भी जज को सबसे बड़ी खुशी और संतुष्टि तब मिलती है, जब वह सौहार्दपूर्ण तरीके से मामले का निपटारा खुशनुमा माहौल में होता है। चीफ जस्टिस ने अपनी खुशी साझा की और एक दंपतh की दिल छू लेने वाली कहानी साझा की, जिसमें पति ने तलाक लेने और अपने बच्चों की कस्टडी के लिए पटियाला हाउस कोर्ट में याचिका दायर की थी जबकि उसकी पत्नी गुजारा भत्ते की मांग कर रही थी। यह मामला सोमवार को सुप्रीम कोर्ट की लोक अदालत में आया। बकौल सीजेआई दोनों ने तय किया कि वे साथ रहेंगे।पति ने कहा कि वह पटियाला हाउस कोर्ट जाकर अपने केस वापस ले लेंगे। इससे पहले सीजेआई चंद्रचूड़ ने सोमवार को मुकदमों की सुनवाई शुरू होने पर कहा, सोमवार से शुक्रवार तक, हम उच्चतम न्यायालय की लोक अदालत लगाएंगे और पहली सात पीठ मुकदमों पर सुनवाई करेंगी। अगर वकीलों के पास ऐसे मामले हैं, जिन पर लोक अदालत में सुनवाई की जा सकती है, तो कृपया उन्हें लाइए।

सीजेआई ने की लोक अदालत में आने की अपील

सीजेआई ने पहले नागरिकों से आग्रह किया था कि अगर उनके मामले शीर्ष अदालत में लंबित हैं, तो वे अपने विवादों का सौहार्दपूर्ण और तेजी से निपटारा करने के लिए विशेष लोक अदालत में भाग लें। उच्चतम न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड एक वीडियो संदेश मेंभी यह सीजेआई चंद्रचूड़ ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि न्यायालय के प्रति समर्पित न्यायाधीश बड़े पैमाने पर मामले लंबित होने को लेकर चिंतित हैं। सीजेआई ने कहा,अपने सभी सहयोगियों और उच्चतम न्यायालय के कर्मचारियों की ओर से, मैं उन सभी नागरिकों या वकीलों से अपील करूंगा, जिनके मुकदमे उच्चतम न्यायालय में लंबित हैं कि वे अपने मुकदमों का तेजी से निपटारा करने की कवायद के तहत इस अवसर का फायदा उठाएं।

नौकरी के लिए रूस गए युवक की यूक्रेन में मौत

एजेंसी | चंडीगढ़

हरियाणा के 22 वर्षीय एक युवक की यूक्रेन में मौत हो गई है। ऐसी जानकारी सामने आई है कि वह रूस की तरफ से यूक्रेन में युद्ध लड़ रहा था और उसकी जान चली गई। युवक के भाई का कहना है कि वह नौकरी के लिए रूस गया था लेकिन, वहां उसे जबरन फौज में भर्ती कर दिया गया। गिनती के दिनों की ट्रेनिंग के बाद यूक्रेन में फ्रंटलाइन वर्कर्स की तरह भेज दिया, जहां लड़ते-लड़ते उसकी मौत हो गई। मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास ने युवक की मौत की पुष्टि की है। युवक की पहचान रवि मौन के रूप में हुई है। वह हरियाणा के कैथल जिले के मटौर गांव का रहने वाला था।

लेडीज ने दिखाया टेलेंट, ग्रुप सिंगिंग के जरिए बिखेरे खुशियों के रंग

मेलोडियस ईवनिंग में जीवंत हुआ बॉलीवुड का संगीतमय स्वर्णिम युग

बेधड़क.जयपुर। लेडीज ने ग्रुप सिंगिंग के जरिए खुशियों के रंग बिखेरते हुए छुपी हुई प्रतिभा को दर्शाया तो हर कोई उनके टैलेंट का कायल हो गया। दर्शकों ने भी उनके साथ राग मिलने की कोशिश करते हुए प्रोग्राम को एंजॉय किया। मौका था दर्शक संस्था की ओर से आयोजित 'स्वरमय सिंगिंग ग्रुप' के कार्यक्रम का। दर्शक कॉलेज ऑफ म्यूजिक एंड आर्ट के ऑडिटोरियम में आयोजित हुए प्रोग्राम के मौके पर संगीत गुरु पं. राजीव भट्ट और प्रोमिला राजीव के संयोजन में 20 कलाकारों ने बॉलीवुड के स्वर्णिम युग के गीतों की असरदार प्रस्तुति से अपनी गायन प्रतिभा का परिचय दिया।

इन्होंने दी शानदार प्रस्तुति

प्रोग्राम में वर्षा विजय, मनोहर पोपली, राजू सजनानी, दिवी जैन, सुनीता नंदीवाल, उम्मेद नंदीवाल, सुरेंद्र बीजावत, नूतन जैन, प्रिया सिंह, विभा, पुष्पा, सौम्या, हेमंत और गायित्री ने प्रस्तुतियों से कला प्रेमियों को प्रभावित किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में संगीत प्रेमी मौजूद थे, जिन्होंने अंत तक गीतों का आनंद लिया। इस मौके पर कलाकारों ने ट्रेडिशनल ड्रेसेज को प्राथमिकता दी और भारतीय संस्कृति के दर्शन भी कराए।

मेलोडियस गीतों का जादू चला

मुख्य गायकों में रेखा भट्ट ने फिल्म मेरा साया के गीत 'नयनों में बदरा छाए' की असरदार प्रस्तुति से श्रोताओं की भरपूर दाद बटोरी। रेखा भट्ट ने इस संगीतमय कार्यक्रम का संचालन करके गायन और एंकरिंग दोनों क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा दर्शाई। उनके साथ अन्य कलाकारों ने भी कई नगमें पेश कर बॉलीवुड ऐरा को साकार किया तो ग्रुप सिंगिंग खास रही। हर कोई प्रस्तुतियों में डूब सा गया।

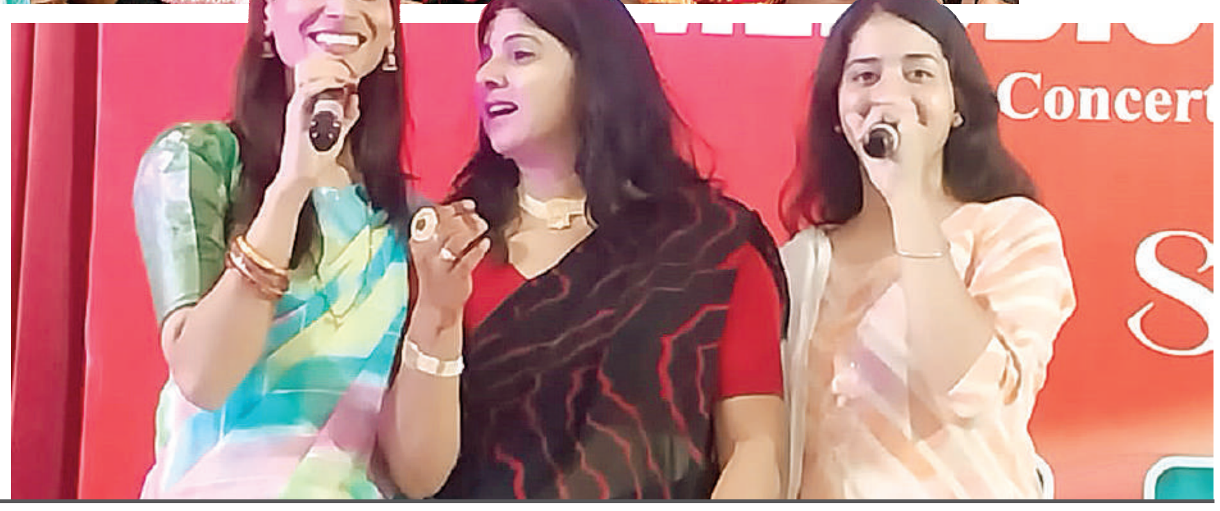

भोग के बाद पंगत प्रसादी

बेधड़क. जयपुर। खंडेलवाल वैश्य समाज मानसरोवर (विस्तार) की ओर से गलता रोड स्थित श्री निवास के बालाजी के यहां सामूहिक गोठ आयोजन किया गया। इस अवसर पर बालाजी को भोग लगाकर समाजबंधुओं ने पंगत प्रसादी ग्रहण की। खंडेलवाल वैश्य समाज मानसरोवर (विस्तार) के अध्यक्ष विमलेश तांबी ने बताया कि कार्यक्रम में कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर भी विचार विमर्श किया। इस अवसर पर बच्चों और महिलाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं भी रखी गई। नैसर्गिक सौंदर्य और खुले वातावरण के बीच समाज बंधु सेल्फी लेते नजर आए। अध्यक्ष विमलेश तांबी ने बताया कि सामूहिक गोठ के माध्यम से एक साथ बैठकर समाज के सभी परिवारजनों ने भोजन किया। इससे समाज में आपसी एकता एवं मधुरता बढ़ोतरी होती है। समारोह में खंडेलवाल समाज मानसरोवर विस्तार के पदाधिकारी और सदस्यों के परिवारों ने हिस्सा लिया।

अंगदान पोस्टर का विमोचन

बेधड़क. जयपुर। मोहन फाउंडेशन जयपुर सिटिजन फोरम की ओर से इस समय चल रहे राष्ट्रीय अंगदान माह के दौरान अंगदान की जागरुकता जनमानस तक पहुंचाने के लिए 1 अगस्त को नवजीवन टीम द्वारा रोड शो किया जाएगा। अमर जवान ज्योति से से चलकर शहर के अलग-अलग मार्गों से होता हुआ फिर से अमर जवान ज्योति पर आकर समाप्त होगी। इस दौरान कई संस्थाएं भाग लेंगी। सोमवार को राजीव अरोड़ा व भावना जगवानी के नेतृत्व में टीम स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निवास पर गई और रोड शो का पोस्टर विमोचन किया गया। नवजीवन टीम में गोबिंद गुरबानी, पीसी जैन मौजूद रहे। इस कार्य के लिए नवजीवन टीम को और सारे राजस्थान को शुभकामनाएं दीं गई और उन्होंने कहा कि अंगदान के क्षेत्र में सरकार इस समय पूरी तरह संवेदनशील है और इस पुनीत मुहिम में पूरी रुचि ले रही है।

City इवेंट्स

जल्दी ग्रीनरी को लगाया 8 फुटा पेड़

बेधड़क. जयपुर। जयपुराइट्स सावन में शहर को ग्रीन बनाने का प्रयास कर रहे हैं और इसी कड़ी में कुछ ग्रुप्स ने सावन में 8 फुट तक के पेड़ लगाने की शुरुआत की है। इससे जल्दी पेड़ बड़ा हो जाएगा और ग्रीनरी जल्द आएगी। सावन में पेड़ों को पानी भी खूब मिलेगा और वे स्वस्थ रहेंगे।

पुष्पगिरी तीर्थ में किए मंदिरों के दर्शन

बेधड़क. जयपुर। श्रीदिगम्बर जैन पद यात्रा संघ के तत्वावधान में संघ के संरक्षक सुभाष चन्द जैन व यात्रा मुख्य संयोजक अमर चन्द दीवान खोराबीसल के नेतृत्व में रवाना हुए 7 दिवसीय धार्मिक यात्रा ने सोमवार को पुष्पगिरी तीर्थ पर मंदिरों के दर्शन किए। इस मौके पर क्षेत्र पर प्रवासरत आचार्य पुष्पदंत सागर के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। राजस्थान जैन सभा जयपुर द्वारा प्रकाशित महावीर जयंती स्मारिका आचार्य को भेंट की गई।

रन इंडिया हाफ मैराथन में विष्णु को अवॉर्ड

बेधड़क. जयपुर। चैंपियन फिटनेस की ओर से आयोजित रन इंडिया हाफ मैराथन की वर्चुअल रन आयोजित की गई। इस दौरान रनर ने अपने राज्य और जिले में ही 21 किलोमीटर रन को पूरा किया। विष्णु टांक ने रन दो घंटे चालीस मिनट में पूरी करते हुए चौंकाया। उनकी ओर से जयपुराइट्स के साथ देश भर के लोगों को रन के जरिए स्वस्थ रहने के मैसेज दिए जाते रहे हैं। ये ही कारण है कि उनको कई नेशनल और इंटरनेशनल अवॉर्ड से नवाजा गया। जयपुर रन इंडिया हाफ मैराथन में जयपुर के रिकॉर्ड होल्डर विष्णु टांक को ट्रॉफी के साथ अवॉर्ड दिया गया।

हरक्रिशन साहिबजी का प्रकाश परब मनाया

'सेवा दिवस' पर बच्चों को करवाया वाहे गुरु का जाप

बेधड़क | जयपुर

सिक्खों के 8वें गुरु-गुरु हरक्रिशन साहिबजी का प्रकाश परब सोमवार को सुखमनी सेवा सोसायटी बनीपार्क के सदस्यों की ओर से राजापार्क में बच्चों के साथ 'सेवा दिवस' के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर सोसायटी के सूर्य उदय सिंह ने बच्चों को प्रकाश परब के बारे में जानकारी दी। बाद में सोसायटी की पिंकी सिंह ने बच्चों को वाहे गुरु जाप कराया। साथ ही बच्चों के लिए स्लाइड और शिक्षा प्रद गेम्स भेंट करने के साथ फल और चॉकलेट वितरित किए। 'अपणी मेहर कर' के सदस्यों ने 1865 दुःख भंजनी साहिब पाठ किए। इस अवसर पर सोसायटी के सदस्य प्रीति कौर, रोमी कौर, जगमोहन सिंह आनंद, चेतन नागपाल, वीरेंद्र सिंह, परमजीत सिंह, जगदीप सिंह उपस्थित रहे। अजय पाल सिंह ने सभी को प्रकाश परब की बधाई दी और सचिव जसबीर सिंह ने सेवा कार्य के लिए सुखमनी सेवा सोसायटी का आभार जताया। गौरतलब है कि गुरू हरक्रिशनजी का जन्म सन 1656 ई. में कीरतपुर साहिब में हुआ। दिल्ली में जब चेचक की महामारी फैली तो वह बीमारों की सेवा में लग गए और उसी बीमारी से ग्रस्त होकर 8 वर्ष की आयु में ही ज्योति जोत समा गए। दिल्ली का गुरूद्वारा बंगला साहिब उन्हीं को समर्पित है।

नामी डॉक्टर्स ने की न्यूरो से जुड़े विषयों पर चर्चा

दिल के ब्लड क्लोट के मस्तिष्क में पहुंचने से आता है ब्रेन स्ट्रोक

बेधड़क | जयपुर

जयपुर के कुछ प्रमुख इंटरवेंशनल रेडियोलॉजिस्ट के साथ देश के नामी डॉक्टर्स एक मंच पर आए, जिन्होंने ब्रेन स्ट्रोक, ब्रेन हेमरेज और न्यूरो से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इस मौके पर इंटरवेंशनल रेडियोलॉजिस्ट डॉ. निखिल बंसल को सम्मानित किया गया। बंसल ने कहा कि सम्मेलन ने विशेष रूप से युवा डॉक्टरों के लिए ज्ञान बढ़ाने के उत्साह को पूरा करने का अवसर दिया। प्रमुख चर्चाओं में ब्रेन स्ट्रोक के कारणों और रोकथाम पर जोर दिया गया।

विशेष रूप से इस्केमिक स्ट्रोक पर जहां दिल में बने रक्त के थक्के मस्तिष्क तक पहुंचने को बताया गया। अन्य महत्वपूर्ण कारणों में रक्त प्रवाह अवरोधन और वसा संचय शामिल थे। कार्यक्रम में ब्रेन स्ट्रोक के प्रबंधन में प्रारंभिक पहचान और इंटरवेंशन के महत्व पर जोर दिया गया, जिसमें न्यूरोइंटरवेंशनल रेडियोलॉजी में नवीनतम तकनीकों और प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित किया गया। उपस्थित लोगों ने स्ट्रोक के कारणों, उपचार व बचाव के तरीकों पर बात की। साथ ही मौजूद लोगों ने इन जानलेवा घटनाओं के इलाज और रोकथाम के लिए विकसित किए जा रहे नवीन दृष्टिकोणों की व्यापक समझ प्राप्त की। इस मौके पर मौजूद डॉक्टर्स ने जयपुर और राजस्थान के सिनेरियो को भी जाना और उस पर चर्चा की।

DMPL 3 8 टीमों के 64 गायकों ने 3 दिन दी दमदार प्रस्तुतियां

रोमांचक मुकाबले में टीम आंगन मेडिनोवा ने जीती सुरों की जंग

बेधड़क | जयपुर

डॉक्टर्स की तीन दिवसीय गायन प्रतियोगिता एसबीआई डॉक्टर्स म्यूजिक प्रीमियम लीग का सीजन 3 राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में फाइनल व ग्रैंड फिनाले के साथ सम्पन्न हुआ।

प्रतियोगिता के चैयरमेन डॉ संजीव गुप्ता ने बताया कि तीन दिन चली इस प्रतियोगिता में कुल आठ टीमों के 64 गायकों ने एक से बढ़कर एक दमदार प्रस्तुतियां दीं। लीग के आयोजन सचिव डॉ. अनिल यादव ने बताया कि विजेताओं को कार्यक्रम के मुख्य अतिथी एसबीआई बैंक के डीजीएम व सीडीओ कल्याण गजवेली, गेस्ट ऑफ ऑनर एमिटी यूनिवर्सिटी के वीसी डॉ. अमित जैन व बॉलीवुड सिंगर रविंद्र उपाध्याय ने ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर दर्शकों की मांग पर उपाध्याय ने अपनी प्रस्तुति दी।

टीम निविक-टीम सीतादेवी संयुक्त उपविजेता

लीग संयोजक डॉ संदीप निझावन ने बताया कि प्रथम स्थान पर बाजी मारी टीम आंगन मेडिनोवा ने तो, वहीं रोमांचक मुकाबले के बाद टीम निविक हॉस्पिटल व टीम सीतादेवी हॉस्पिटल ने समान अंक पाकर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। टीम ALCS रोहिन रोकर्स ने तीसरे स्थान पर कब्जा जमाया।

डॉ. बागड़ी-डॉ. मनीष शर्मा ने जीता युगल

प्रतियोगता के चीफ कॉर्डिनेटर डॉ हरीश भारद्वाज ने बताया कि 40 से 55 वर्ष आयु वर्ग के युगल मुकाबलों में प्रथम स्थान डॉ. महेश बागड़ी व डॉ. मनीष शर्मा रहे। डॉ. राकेश शर्मा द्वितीय व डॉ. प्रियंका रहारिया तृतीय स्थान पर रहे। लीग कॉर्डिनेटर डॉ. रवींद्र सिसोदिया ने बताया कि 40 वर्ष से कम आयु वर्ग के मुकाबलों में टाई मैच में अंजलि जुनेजा व भरत कडेल प्रथम, डॉ. विदिशा द्वितीय और डॉ. सिमी तृतीय रहे। कॉर्डिनेटर डॉ. हर्षुल टाक ने बताया कि ज्यूरी सदस्यों उमा विजय, दीपक माथुर, पंडित हेमंत भट्ट, डॉ. माया रानी टाक व भरत पटेल ने 150 प्रस्तुतियों पर निर्णय दिया।

सबसे संक्षिप्त उत्तर है, करके दिखाना।
विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

अब इजराइल-हमास-हिजबुल्लाह की लड़ाई में तुर्किये के ऐलान से गरमाहट

तुर्किये का अल्टीमेटम; हम इजराइल में भी घुस जाएंगे

एजेंसी | अंकारा

तुर्कीये के राष्ट्रपति तैय्यप एर्दोगन ने रविवार को कहा कि तुर्कीये फिलिस्तीनियों की मदद के लिए इजराइल में भी घुस सकता है। हमने पहले भी यह किया हुआ है। हम लीबिया और नागोर्नो काराबाक में घुस चुके हैं। हालांकि उन्होंने यह साफ नहीं किया कि वह किस तरह के हस्तक्षेप का सुझाव दे रहे हैं। राष्ट्रपति एर्दोगन इजराइल के गाजा पर हमले के कट्टर विरोधी हैं। अपने देश की रक्षा सामग्री पर बात करते हुए उन्होंने इजराइल और गाजा संघर्ष पर कहा कि हम उनकी मदद के लिए कुछ भी कर सकते हैं। एर्दोगन ने अपनी पार्टी की एक बैठक में कहा कि हमें बहुत मजबूत होना चाहिए ताकि इजराइल फिलिस्तीन के साथ ज्यादा तानाशाही न कर सके। हम पहले भी लीबिया में प्रवेश कर चुके हैं, नागोर्नो- काराबाख में प्रवेश कर चुके हैं, वैसे ही हम यहां भी कर सकते हैं।

इजराइल और हिजबुल्लाह में युद्ध का खतरा, भारत ने दी चेतावनी

बेरूत। इजराइल और लेबनान के शिया मिलिशिया समूह हिजबुल्लाह में युद्ध का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। इस बीच लेबनान में भारतीय दूतावास ने अपने नागरिकों के लिए चेतावनी जारी की है। इस चेतावनी में लेबनान में सभी भारतीय नागरिकों और लेबनान की यात्रा करने की योजना बना रहे लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। इसके अलावा भारतीय नागरिकों को बेरूत में भारतीय दूतावास के संपर्क में रहने की भी अपील की गई है। लेबनान पिछले कई साल से राजनीतिक अस्थिरता का सामना कर रहा है

लीबिया और नागोर्नो-काराबाख में कब घुसा था तुर्कीए

राष्ट्रपति एर्दोगन ने लीबिया में घुसने का जिक्र उस घटना को लेकर किया, जिसमें संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता प्राप्त लीबिया की सरकार के समर्थन में तुर्कीये ने अपने सेना के जवानों को लीबीया में भेजा था। लीबिया के प्रधानमंत्री अब्दुल हामिद अल दबीबा की सरकार को तुर्कीये का समर्थन प्राप्त है। नागोर्नो- काराबाक में अजरबैजान को सीधे किसी भी प्रकार की प्रत्यक्ष सहायता में अपनी भूमिका से तुर्कीये मना करता रहा है, लेकिन पिछले साल तुर्कीये ने माना था कि वह नागोर्नो-काराबाख में अपने करीबी सहयोगियों का समर्थन करने के लिए सैन्य प्रशिक्षण और आधुनिकीकरण सहित और भी सभी तरीकों का प्रयोग कर रहा है। यहां पर तुर्की ने साफ-साफ तो नहीं कहा पर इशारा जरूर किया कि उसने भी अपनी सेना को नागोर्नो-काराबाक में भेजा है। न्यूज एजेंसियों ने जब इस बात पर एर्दोगान की पार्टी के नेताओं से बात करनी चाही तो उन्होंने इस बात पर किसी भी प्रकार का कमेंट करने से मना कर दिया।

भारतीय दूतावास ने क्या लिखा

भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर "भारतीय नागरिकों के लिए सलाह" नाम के एक पोस्ट में लिखा, "क्षेत्र में हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए, लेबनान में सभी भारतीय नागरिकों और लेबनान की यात्रा करने की योजना बना रहे लोगों को सावधानी बरतने और उनकी ईमेल आईडी: cons.belrut@mea.gov या आपातकालीन फोन नंबर +96176860128 के माध्यम से बेरूत में भारतीय दूतावास के संपर्क में रहने की सलाह दी जाती है।

इसलिए इजराइल में सेना उतारने की चेतावनी दे रहा है तुर्कीये

तुर्कीये एक समय पर इस्लाम के शासन का सबसे बड़ा केन्द्र रहा है। राष्ट्रपति एक बार फिर से इस्लाम के सबसे बड़े लीडर बनकर दुनियाभर के इस्लामिक देशों का समर्थन करने का प्रयास करते हैं, जिससे इस्लामिक देशों के लीडर की भूमिका में वह एक बार फिर से अपने देश को खड़ा कर सके। इजराइल-गाजा संघर्ष इस समय पर इस्लामिक देशों के लिए सबसे बड़ा चिंता का विषय है और इस पर अगर कोई देश इजरायल पर कार्रवाई की बात करता है तो मुस्लिम देशों का समर्थन उसे प्राप्त होता है। इसलिए तुर्कीये और बाकी इस्लामिक देश फिलिस्तीन को समर्थन देने का प्रयास करते हैं।

इस्लाम जगत का नेतृत्व करने के लिए बेचैन है तुर्कीये

तुर्कीये इस्लाम जगत के नेतृत्व के लिए तैयार है लेकिन उसको सऊदी अरब और ईरान जैसे देशों से चुनौती भी मिलती है। सऊदी अरब ने इजराइल के गाजा पर हमले के बाद, इजरायल के साथ अपने सभी संबंधों को तोड़ दिया था तो वहीं ईरान ने भी इजराइल के ऊपर रॉकेट और मिसाइलों से हमला किया था। तो अब अपने आप को इस्लाम जगत का बड़ा लीडर दिखाने के लिए तुर्कीये भी कुछ बड़ा करना चाहेगा।

पेरिस ओलंपिक के मोबाइल टावर्स को बनाया निशाना

मेजबान शहरों में असर

एजेंसी | पेरिस

पेरिस-2024 ओलंपिक के आयोजन की मेजबानी करने वाले शहरों में एक बार फिर से तोड़फोड़ हुई। फ्रांसीसी सरकार की ओर से सोमवार को कहा गया कि कई टेलीकम्युनिकेशन लाइनों में खराबी आई है। साथ ही, अलग-अलग शहरों में फाइबर लाइनों, फिक्स्ड और मोबाइल फोन लाइनों पर असर पड़ा है। रिपोर्ट के अनुसार इस हिंसा के चलते कितना नुकसान हुआ है, इसका सही अंदाजा अभी लगाना मुश्किल है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या इससे किसी ओलंपिक गतिविधि पर असर पड़ा है। डिजिटल मामलों की प्रभारी राज्य सचिव मरीना फेरारी ने एक्स पर पोस्ट करके अधिक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रविवार से सोमवार तक रात के बीच कई क्षेत्रों से नुकसान की खबरें हैं, जिससे दूरसंचार ऑपरेटर्स प्रभावित हुए हैं। सीन नदी पर ओलंपिक खेलों के उद्घघाटन समारोह से पहले 3 प्रमुख रेल मार्गों पर तोड़फोड़ की गई थी। साथ ही, आगजनी की घटनाओं के चलते हाई स्पीड रेल सेवा प्रभावित हुई थी। मालूम हो कि ओलंपिक खेलों का उद्घाटन शुक्रवार रात को हुआ।

क्षतिग्रस्त रेल मार्ग ठीक करने में जुटे

रेल कंपनी एसएनसीएफ ने कहा कि उसके मजदूरों ने पेरिस जाने वाले उत्तर, पूर्व और पश्चिम के क्षतिग्रस्त रेल मार्गों को ठीक करने के लिए प्रतिकूल मौसम के बीच पूरी रात काम किया। कंपनी ने कहा कि शनिवार सुबह पूर्वी हाई स्पीड मार्ग पर सामान्य सेवा बहाल कर दी गई। एसएनसीएफ ने कहा, 'उत्तर, ब्रिटनी और दक्षिण-पश्चिम हाई स्पीड मार्ग पर औसतन 10 में से 7 ट्रेनें एक से दो घंटे की देरी से चलीं।'

उत्तर मार्ग पर रेल यातायात बाधित

कंपनी ने कहा कि रविवार को उत्तर मार्ग पर रेल यातायात बाधित रहा, लेकिन अगले सप्ताहांत तक अटलांटिक मार्ग पर स्थिति में सुधार होने की उम्मीद है। लोगों से उनकी ट्रेनों के चलने की पुष्टि करने के लिए टेक्स्ट संदेश और ईमेल के माध्यम से संपर्क किया जा रहा है। पेरिस ओलंपिक की मेजबानी कर रहा है और तोड़फोड़ व आगजनी की घटनाओं ने सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। फ्रांसीसी अधिकारी सक्रिय रूप से जांच में जुटे हैं। उनका कहना है कि अब तक किसी भी संदिग्ध की पहचान या गिरफ्तारी नहीं हुई है।

अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव

कमला हैरिस को मिला रुश्दी का सपोर्ट

एजेंसी | न्यूयॉर्क

मुंबई में जन्मे लेखक सलमान रुश्दी ने अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस का समर्थन करते हुए कहा है कि उपराष्ट्रपति हैरिस ही वह व्यक्ति हैं, जो पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को देश को सत्तावाद की ओर ले जाने से रोक सकती हैं। रुश्दी ने रविवार को एक डिजिटल कार्यक्रम 'साउथ एशियन मेन फॉर हैरिस' के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति हैरिस के प्रति अपना समर्थन जताया। इस कार्यक्रम में सांसदों, लेखकों, नीति विशेषज्ञों, उद्यमियों और प्रवासी संगठनों सहित भारतीय-अमेरिकी समुदाय की कई प्रमुख हस्तियां शामिल हुईं।

मैं बंबई का लड़का भारतीय महिला के साथ

रुश्दी ने कहा, 'यह एक महत्वपूर्ण क्षण है। मैं बंबई (अब मुंबई) का लड़का हूं और एक भारतीय महिला को 'वाइट हाउस' के लिए चुनाव लड़ते देखकर बहुत अच्छा लग रहा है। मेरी पत्नी अफ्रीकी-अमेरिकी है, इसलिए हमें यह बात पसंद है कि एक अश्वेत और भारतीय महिला 'वाइट हाउस' के लिए चुनाव लड़ रही है।' हैरिस (59) अमेरिका में नवंबर में प्रस्तावित राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की संभावित उम्मीदवार हैं।

हम किसी और के लिए नहीं जुटते

अभी पार्टी ने कमला हैरिस को अपना प्रत्याशी घोषित नहीं किया है। उपन्यासकार रुश्दी (77) ने साथ ही कहा कि उनके समर्थन का आधार केवल जातीयता नहीं है। उन्होंने उपराष्ट्रपति पद के जे डी वेंस की भारतीय-अमेरिकी पत्नी और दक्षिण कैरोलिना की पूर्व भारतीय-अमेरिकी गवर्नर का जिक्र करते हुए कहा, 'हम ऊषा वेंस या निक्की हेली के लिए इस तरह एकत्र नहीं होते।' रुश्दी ने कहा कि यह जोश इसलिए है, क्योंकि एक सप्ताह के भीतर ही अमेरिकी राजनीति में कुछ 'असाधारण, परिवर्तनकारी" घटित हुआ है।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl